



04 - न्यायाधीश महोदय-
आपके पास सविधान
का चाबुक है



05 - जनों के विरुद्ध महामरियोग
की मनोवृत्ति पर विचार

A Daily News Magazine

मोपाल
सोमवार, 15 दिसंबर, 2025



मोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 23, अंक 105, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रु. 2



06 - अजमेर उस के दौरान
बांदा टर्मिनस से अजमेर
के बीच स्पेशल ट्रेन...



07 - लौटा तहसील क्षेत्र में
कलेक्टर अशुल गुप्ता का
व्यापक निरीक्षण...



subahsaverenews@gmail.com



facebook.com/subahsaverenews



www.subahsavere.news



twitter.com/subahsaverenews

शरद की सुबह

जो दिख रहा है उसी के अंदर जो

अन-दिखा है वो शा%इरी है

जो कह सका था वो कह चुका हूँ झू

जो रह गया है वो शा%इरी है

ये शहर सारा तो रौशनी में खिला

पड़ा है सो क्या लिखूँ मैं

वो दूर जंगल की झोंपड़ी में जो

इक दिया है वो शा%इरी है

दिलों के माबैन गुफ्तगू में

तमाम बातें इजाफ़तें हैं

तुम्हारी बातों का हर तक्क़ुफ़ जो

बोलता है वो शा%इरी है

तमाम दरिया जो एक समुंदर में

गिर रहे हैं तो क्या %अजब है

वो एक दरिया जो रास्ते में ही

रह गया है वो शा%इरी है

- अहमद सलमान

जबलपुर के 10 इलाकों में 1200 संदिग्ध बंजारा मुस्लिम

बिना घर-जमीन,सभी दस्तावेज बना लिए,बांग्लादेशी रोहिंया बताए जा रहे

जबलपुर (नप्र)। जबलपुर जिले में एसआईआर (स्पेशल इंटीसिव रिवीजन) का काम तेजी से चल रहा है। हाल ही में मध्यप्रदेश के पूर्व मंत्री और भाजपा विधायक अजय विश्‍नोई ने दावा किया है कि जिले में 1200 से अधिक संदिग्ध व्यक्ति हैं। विधायक ने इस मामले को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को भी सामने आए हैं। वहीं, हिंदू संगठन के कार्यकर्ता भी सामने आए हैं। उनका कहना है कि शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में 10 ऐसे डेरे हैं, जहां ठहरे लोग स्वयं को बंजारा मुस्लिम बताते हैं। इनके पास न घर है, न जमीन। बावजूद इसके हैरान करने वाली बात है कि इन्होंने पैन कार्ड,



आधार कार्ड, मूल निवासी प्रमाण पत्र, मतदाता कार्ड, आयुष्मान कार्ड, बीपीएल कार्ड जैसे दस्तावेज बनवा लिए हैं। ये बंजारे कथित तौर पर रोहिंया व बांग्लादेशी हो सकते हैं। इनमें से कई संदिग्ध शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में फुटपाथों पर मूंगफली व अन्य सामग्री बेचते नजर आ रहे हैं। तमाम युवा व महिलाएं औद्योगिक क्षेत्र में मजदूरी कर रही हैं। इस बीच बरेला के हिन्नीतियां गांव में डेरा डाले ऐसे कुछ संदिग्धों पर पुलिस-प्रशासन ने कार्रवाई कर हटया है। लेकिन, उन्होंने नीमखेड़ा पहाड़ी के पास डेरा डाल लिया है। प्रशासन सक्रिय हुआ तो जिले भर में कई स्थानों पर इनके ठिकानों का पता चला।

मोबाइल में नाम नहीं

संख्या से दर्ज हैं नंबर

टीम के सदस्य संदिग्धों के पास पहुंचे तो उनकी बोली, भाषा, शारीरिक बनावट में भिन्नता मिली, जो उन्हें संदिग्ध बनाती है। इनके पास जो मोबाइल फोन हैं, उनमें नाम से मोबाइल नंबर, लैंडलाइन नंबर दर्ज नहीं हैं। नाम के स्थान पर अंक लिखे गए हैं। उदाहरण के लिए 77, 102, 999 आदि। लिहाजा मोबाइल देखकर सामने वाले व्यक्ति का नाम नहीं जान सकते। इन संदिग्धों के मोबाइल की काल डिटेल, पीएसटीएन डाटा निकालकर की तैयारी पुलिस, प्रशासन ने की है। किसी जांच दल द्वारा पूछताछ की जाती है तो, अपना ठिकाना बदल लेते हैं।

डॉलर के मुकाबले कमजोर होते रुपए पर अखिलेश का हमला

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने डॉलर के मुकाबले कमजोर होते रुपये को लेकर भाजपा सरकार पर हमला बोला है। अखिलेश यादव ने कहा है कि अब तक के इतिहास में डॉलर के मुकाबले रुपये का सबसे ज्यादा कमजोर होना ये दिखाता है कि अर्थव्यवस्था को लेकर भाजपा सरकार द्वारा किये जा रहे सारे आंकड़े और दावे पूरी तरह से झूठे और मनगढ़ंत हैं। सोशल मीडिया की माइक्रो साइट एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा है कि भाजपाई इस बात को नकार भी नहीं सकते हैं कि ये बेहद कमजोर और नाकाम सरकार की वजह से हो रहा है क्योंकि रुपया गिरने और सरकार के बीच के अनुरे आर्थिक सिद्धांत का अनोखा फार्मूला भाजपा की ही देन है।



हिंदुओं को एकजुट होकर देश को आगे ले जाना होगा

समस्याओं पर समय बर्बाद करने के बजाय

हमें समाधान खोजने चाहिए: भागवत

संघ चीफ बोले-दीवारों पर विवेकानंद की तस्वीर हो या जैक्सन की,यह हमें तय करना होगा

श्री विजय पुरम (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को कहा कि हिंदुओं को एकजुट होकर देश को आगे ले जाना होगा। इसके लिए वैसा ही आचरण करना होगा। हम जहां रहते हैं वो हिंदू घर की तरह सजा होना चाहिए। हमें यह तय करना होगा कि घर की दीवारों पर स्वामी विवेकानंद की तस्वीर हो या माइकल जैक्सन की। भागवत ने ये बातें अंडमान के श्रीविजय पुरम में स्थित नेताजी स्टेडियम में विराट हिंदू सम्मेलन समिति द्वारा आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहीं। उन्होंने कहा कि हिंदू एकता के लिए एकरूपता को जरूरी नहीं मानता। बाकी दुनिया इसके उलट सोचती है। अगर हिंदू जागेंगे तो दुनिया जागेगी।

दुनिया मानती है कि भारत ही रास्ता दिखाएगा। समस्याओं पर समय बर्बाद करने के बजाय हमें



समाधान खोजने चाहिए। किसी भी काम को पूरा करने के लिए शक्ति की आवश्यकता होती है और शक्ति केवल एकता से आती है। दुनिया सत्य को नहीं शक्ति को देखती है। जिसके पास शक्ति है उसी की बात मानी जाती है। एक मजबूत समाज बनाने

और राष्ट्रीय लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए एकता आवश्यक है। इसके साथ ही भागवत ने टकराव से बचने की भी सलाह दी। भागवान कृष्ण और जंगल में रहने वाले एक राक्षस के बारे में महाभारत की एक कहानी सुनाते हुए कहा कि अर्जुन और सात्यकि ने राक्षस से लड़ने की कोशिश की, लेकिन हर वार से वह और बड़ा होता गया।

कृष्ण ने हस्तक्षेप किया, टकराव से बचाया और बिना लड़ाई के उसे वश में करने के लिए समझदारी का इस्तेमाल किया। सबक यह है कि हर समस्या के लिए बल की आवश्यकता नहीं होती। समाधान स्थिति को समझने पर निर्भर करते हैं। हम परिवार के साथ घूमने जाते हैं। मैं कहना चाहता हूं कि आप पेरिस, सिंगपुर जाओ। दुनिया घूमने में कोई दिक्कत नहीं है लेकिन कभी-कभी श्री विजयपुरम भी जाओ, वहां सेल्युलर जेल देखो।

आने वाले वर्षों में इंदौर देश के अग्रणी महानगरों में होगा शामिल : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने इंदौर को दी विकास की अनेक सौगातें : मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई महत्वपूर्ण बैठक, इंदौर के विकास के लिये हुये कई अहम निर्णय

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में रविवार को ब्रिलियेंट कन्वेंशन सेंटर में इंदौर के विकास को नई गति देने के लिये महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विकास की अनेक सौगातें दीं। अधोसंरचनात्मक विकास को नई गति देने के लिये कई अहम निर्णय भी बैठक में हुये। इस मैराथन बैठक में इंदौर और उसके विस्तृत मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र के भविष्य को ध्यान में रखते हुए कई बड़े निर्णय लिए गए। बैठक में जनप्रतिनिधियों, विभागीय अधिकारियों और विशेषज्ञों ने सहभागी होकर शहर के इंफ्रास्ट्रक्चर, यातायात, उद्योग, शिक्षा, मेट्रोपॉलिटनरिजन, पूर्व एवं पश्चिमी बायपास, इकोनामिक कॉरिडोर, स्थानीय परिवहन, आईटी, पर्यटन और मास्टर प्लान से जुड़े विषयों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह बैठक इंदौर के विकास की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने



विश्वास व्यक्त किया कि निर्धारित समय-सीमा के भीतर सभी परियोजनाएं धरातल पर उतरेंगी और इंदौर आने वाले वर्षों में देश के अग्रणी महानगरों में शामिल होगा।

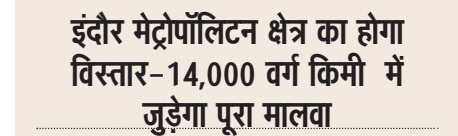
भूमिगत होगा मेट्रो के प्रमुख हिस्सा-राज्य सरकार देगी 800-900 करोड़ रुपए- बैठक में मेट्रो परियोजना के रूट निर्धारण पर विस्तृत चर्चा की गई।

बताया गया कि मूल प्रस्ताव संशोधित होने के बाद भी समस्याएं बनी रहें, इसलिए सुझाव आया कि मेट्रो के मुख्य हिस्से को पूरी तरह भूमिगत किया जाए। मुख्य हिस्से को भूमिगत करने के लिये निर्णय लिया गया। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि राज्य सरकार इसके लिए लगभग 900 करोड़ रुपये का भार वहन करेगी। उन्होंने कहा कि

यह निर्णय इंदौर के भविष्य को देखते हुए लिया गया है ताकि मेट्रो का अधिकतम लाभ जनता को मिले और यातायात प्रबंधन बेहतर हो।

एलिवेटेड कॉरिडोर का निर्माण शीघ्र प्रारंभ होगा- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि एलिवेटेड कॉरिडोर की यह परियोजना इंदौर शहर के यातायात के लिये अतिमहत्वपूर्ण है। इसका निर्माण शीघ्र प्रारंभ किया जाये। एलिवेटेड कॉरिडोर के जंक्शन, रोटरी, लंबाई आदि पर शीघ्र तकनीकी व जनप्रतिनिधियों की बैठक कर अंतिम डिजाइन तय करें। बैठक में बीआरटीएस हटने के बाद शहर में नए वैज्ञानिक ट्रैफिक सर्वे के आधार पर एकीकृत ट्रैफिक प्लान तैयार करने का निर्णय लिया गया। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि यह परियोजना आने वाले 25-50 वर्षों तक इंदौर की ट्रैफिक समस्या का स्थायी समाधान देगी।

इंदौर मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र का होगा विस्तार-14,000 वर्ग किमी में जुड़ेगा पूरा मालवा बैठक में इंदौर मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र को भविष्य की दृष्टि से विस्तारित करने का निर्णय लिया गया। भविष्य को ध्यान में रखते हुए इंदौर मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र में उज्जैन, देवास, धार, रतलाम, नागदा, बदनावर और शाजापुर-मक्की क्षेत्रों के साथ जोड़कर लगभग 14,000 वर्ग किलोमीटर का मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र विकसित करने का निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि इस क्षेत्र में पाँच से अधिक बड़े रेलवे जंक्शन,एक अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट, उज्जैन और रतलाम के भविष्य के एयरपोर्ट, दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे,दिल्ली-मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर, इंदौर-मनमाड रेल लाइन इन्हें आधार बनाकर इंदौर को देश का बड़ा व्यापार-उद्योग-पर्यटन हब बनाने की योजना है।



पंकज चौधरी बने यूपी बीजेपी के नए अध्यक्ष

सीएम योगी की मौजूदगी में पीयूष गोयल ने की घोषणा

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में बीजेपी के बहुप्रतीक्षित प्रदेश अध्यक्ष की घोषणा अखिरकार रविवार को हो गई है। पंकज चौधरी को यूपी बीजेपी का नया चीफ बनाया गया है। उनके नाम की घोषणा चुनावी प्रक्रिया पूरी करने के बाद की गई है। शनिवार को एक ही नामांकन पत्र दायित्व लेने के बाद यह साफ हो गया था कि पंकज चौधरी ही यूपी बीजेपी के अगले मुखिया होंगे। रविवार को राजधानी लखनऊ में प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचन के केंद्रीय प्रभारी और केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल के नेतृत्व में नाम का ऐलान किया गया। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत स्वस्ति वाचन, शंखनाद और डमरू वादन के साथ हुई। इसके बाद निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी ने पार्टी का झंडा पंकज चौधरी को सौंपा। शनिवार को प्रदेश कार्यालय में दोपहर 2 बजे से 3 बजे के बीच नामांकन प्रक्रिया चली थी। इस दौरान सीएम योगी आदित्यनाथ, दोनों डिप्टी सीएम समेत तमाम नेता और पार्टी पदाधिकारी मौजूद थे। पंकज चौधरी के अकेले नामांकन करने के बाद यह साफ हो गया था कि प्रदेश अध्यक्ष के लिए कोई वॉटिंग नहीं होने वाली है। उन्हें निर्विरोध ही चुन लिया जाएगा।

दलाई लामा का पुनर्जन्म ‘स्वतंत्र देश’ में ही होगा

धर्मशाला में तिब्बती धार्मिक सम्मेलन में बोले संगठन चीफ

धर्मशाला (एजेंसी)। तिब्बती आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा ने अपने उत्तराधिकारी के संबंध में चीन को स्पष्ट संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि उनका पुनर्जन्म चीन के राजनीतिक हस्तक्षेप से दूर किसी 'स्वतंत्र देश' में होगा। दलाई लामा ने यह बात 2 जुलाई को धर्मशाला में आयोजित 15वें तिब्बती धार्मिक सम्मेलन में 180 से अधिक बौद्ध नेताओं को भेजे गए एक पूर्व-रिकॉर्डिंग वीडियो संदेश में कहा। उन्होंने जोर देकर कहा कि दलाई लामा संस्था बनी रहेगी और पुनर्जन्म की मान्यता का अधिकार केवल गादेन फोड्रांग ट्रस्ट के पास है। निर्वासित तिब्बती सरकार, केंद्रीय तिब्बती प्रशासन के अध्यक्ष पेनपा त्सेरिंग ने भी चीन के हस्तक्षेप को सिरे से खारिज किया। उन्होंने कहा कि पुनर्जन्म तिब्बती परंपरा का एक आंतरिक मामला है और इस पर अंतिम निर्णय दलाई लामा का ही होगा। 6 जुलाई को अपने 90वें जन्मदिन पर भी दलाई लामा ने इस बात को दोहराया। उन्होंने स्पष्ट किया कि तिब्बती बौद्ध चीन द्वारा नियुक्त किसी भी पुनर्जन्म को स्वीकार नहीं करेंगे। इस बीच, तिब्बती युवा कांग्रेस ने चीन समर्थित पंचेन लामा ग्यालत्सेन नोरबु के एक बयान की कड़ी निंदा की। नोरबु ने 8 दिसंबर को शिंगात्से में कहा था कि पुनर्जन्म चीनी कानून और अनुमोदन के अनुसार होगा। टीवायसी ने इसे तिब्बती धर्म पर बीजिंग की साजिश करार दिया। टीवायसी ने अपने प्रेस बयान में कहा कि यह सदियों पुरानी तिब्बती परंपराओं का अपमान है। संगठन ने चीन पर गंभीर आरोप लगाया है।

मध्य प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं में हो रही है लगातार वृद्धि : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने इंदौर में नवीन एमवाय अस्पताल भवन के निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया

कुल 773.07 करोड़ रुपए लागत से निर्मित होगा 1450 बिस्तरीय नया अस्पताल भवन

इन्दौर में जैविक हार्ट बाजार का अवलोकन किया

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री जे.पी. नड्डा के नेतृत्व में देश और प्रदेश की स्वास्थ्य सुविधाओं में पिछले 11 वर्षों से लगातार वृद्धि हो रही है। मध्य प्रदेश में नए-नए मेडिकल कॉलेज और नर्सिंग कॉलेज कॉलेज खोले जा रहे हैं। प्रदेश सरकार नागरिकों की सुविधाओं में वृद्धि के लिए दिन-रात प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्षों में प्रदेश की स्वास्थ्य सुविधाओं में उल्लेखनीय सुधार आया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार को इंदौर के महाराजा यशवंतराव चिकित्सालय परिसर में कुल 773.07 करोड़ रुपए लागत से निर्मित होने वाले 1450 बिस्तरीय अस्पताल के नवीन भवन निर्माण कार्य के भूमि पूजन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में प्रदेश के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, स्वास्थ्य राज्य मंत्री श्री नरेंद्र शिवाजी पटेल भी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर कहा कि जिस तरह इंदौर शहर हमारे प्रदेश का गौरव है, उसी तरह इंदौर के एमवाय अस्पताल की भी मध्यप्रदेश में अपनी विशिष्ट पहचान है। उन्होंने कहा कि इंदौर में 1450 बिस्तरीय अस्पताल बन जाने से न केवल मध्यप्रदेश, बल्कि हमारे पड़ोसी राज्यों के सीमावर्ती जिलों के मरीजों को भी यहां बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग और

चिकित्सा शिक्षा विभाग को मिलाकर इस विभाग को और सशक्त बनाया गया है। उन्होंने इस अवसर पर बताया कि इंदौर के एमवाय अस्पताल में बोनमेरो ट्रांसप्लांट और किडनी ट्रांसप्लांट की सुविधा निशुल्क उपलब्ध है। उन्होंने निर्माण एजेंसी के अधिकारियों को नए अस्पताल भवन के निर्माण में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश भवन विकास निगम द्वारा

निर्मित किए जाने वाले नए अस्पताल भवन में मेडिसिन वार्ड में कुल 330 बिस्तर, सर्जरी विभाग में 330 बिस्तर, ऑर्थोपेडिक्स विभाग में 180 बिस्तर, शिशु रोग सर्जरी विभाग में 60, शिशु रोग वार्ड में 100, न्यूरो सर्जरी में 60, नाक कान गला विभाग में कुल 30, दंत रोग विभाग में 20, त्वचा रोग विभाग में कुल 20, मातृ एवं शिशु वार्ड में 100, नेत्र वार्ड में 80 तथा इमरजेंसी मेडिसिन वार्ड में भर्ती होने वाले मरीजों के लिए 180 बिस्तरीय सुविधा उपलब्ध रहेगी। नए अस्पताल भवन में कुल 1450 बिस्तरीय वार्डों के निर्माण पर कुल 528 करोड़ रुपए व्यय होंगे। इसके अलावा 550 बिस्तरीय नर्सिंग हॉस्टल के निर्माण पर 21.37 करोड़ रुपए, 250 सीटर मिनी ऑडिटोरियम के निर्माण पर 1.60 करोड़ रुपए व्यय किए जाएंगे। इसके अलावा सार्वजनिक पार्किंग के निर्माण पर 31.50 करोड़ रुपए, विद्युतीकरण, बाउंड्रीवाल एवं ग्रेटर पैनल स्थापना पर 25.53 करोड़ रुपए तथा सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, प्लंबिंग एवं वाटर सप्लाई संबंधी कार्यों कार्य पर लगभग 10 करोड़ रुपए लागत आएगी।

इसके पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्वलित कर किया। स्वागत उद्बोधन विधायक श्री गोलू शुक्ला ने दिया। कार्यक्रम में सांसद अलावा 550 बिस्तरीय इंदौर के महापौर श्री पुष्पामित्र भागवत, विधायक श्री रमेश मेंदोला, विधायक श्रीमती मालिनी गौड़, विधायक श्री महेंद्र हाडिया, विधायक श्री मधु वर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण भी मौजूद थे।

मेसी के टूर ऑर्गनाइजर को झटका, नहीं मिली जमानत

14 दिन की कस्टडी में मेजा, जांच पैनल और गवर्नर स्टेडियम पहुंचे

कोलकाता (एजेंसी)। अर्जेंटीना के फुटबॉल आइकन लियोनेल मेसी के इंडिया टूर के ऑर्गनाइजर सतादरू दत्ता को जमानत नहीं मिली है। बिधाननगर कोर्ट ने मेसी के इंडिया टूर 2025 के प्रमोटर और आयोजक सतादरू दत्ता को 14 दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। सतादरू पर इंडेट में मिसमैनेजमेंट के आरोप हैं। पब्लिक प्रॉसिक्यूटर ने कोर्ट में कस्टडी की मांग करते हुए कुछ कॉन्स्टेबलों को चोट लगने और मेसी के मैदान में आने पर भीड़ को मैनेज करने में हुई दिक्कतों का हवाला दिया था। दरअसल, 13 दिसंबर को स्टेडियम से मेसी के जल्दी निकल जाने के बाद फैंस भड़क गए। दूर-दूर से आने और टिकटों के लिए भारी रकम चुकाने के बावजूद वे अपने सुपरस्टार की एक झलक भी नहीं देख पाए।

समुद्र किनारे त्योहार मना रहे यहूदियों पर आतंकी हमला

ऑस्ट्रेलिया के सिडनी बीच में हुआ हादसा, 12 लोगों की मौत

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के बॉन्डी बीच पर त्योहार मना रहे यहूदियों पर दो हमलावरों ने फायरिंग की है। इसमें कम से कम 12 लोगों की मौत की खबर है। पुलिस ने लोगों को घटनास्थल से दूर रहने को कहा है। सोशल मीडिया पर डाले गए डरावने

वीडियो में रविवार दोपहर नॉर्थ बॉन्डी बीच पर बड़ी संख्या में लोग रेत पर दौड़ते हुए नजर आ रहे। इसी दौरान तेज गोलियों की आवाजें सुनाई दे रही थीं। एक दूमेरे वीडियो में काले कपड़े पहने दो युवक दिखाई दे रहे, जो सड़क पर खड़े होकर हाई पावर हथियारों से फायरिंग कर रहे थे। हथियार शॉटगन जैसे लग रहे।

ऑस्ट्रेलिया में पिछले 30 साल में सबसे बड़ी मास शूटिंग

यह घटना ऑस्ट्रेलिया में करीब 3 दशक की बड़ी मास शूटिंग है। इससे पहले मास शूटिंग की घटना 28 अप्रैल 1996 को हुई थी, जिसे पोर्ट आर्थर नरसंहार के नाम से जाना जाता है। इस घटना में मार्टिन ब्रायंट नाम के व्यक्ति ने तस्मानिया के पोर्ट आर्थर में 35 लोगों की हत्या कर दी और 23 को घायल किया था।

लश्कर कमांडर अब्दुल रऊफ ने भारत को दी हमले की धमकी

बोला-हम एक दिन दिल्ली को दुल्हन बनाएंगे और ये होकर रहेगा

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान में मौजूद लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर हाफिज अब्दुल रऊफ ने भारत के खिलाफ भड़काऊ बयान दिया है। उसने कहा कि हम दिल्ली को दुल्हन बनाएंगे। यह वीडियो नवंबर का है, लेकिन अभी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। रऊफ ने कहा,मक्की साहब कहते थे, हम एक दिन दिल्ली को दुल्हन बनाएंगे और ये होकर रहेगा। गजवा-ए-हिंद होकर रहेगा। हम एक दिन ये निजाम बदल देंगे और इस मुल्क में शरिया की हुकूमत लेकर आएंगे। हम जीती हुई

कौम हैं। रऊफ ने दावा किया कि भारतीय वायुसेना पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र में घुसने की हिम्मत नहीं करेगी और पाकिस्तान इस्लामी देशों में इकलौती परमाणु शक्ति है। रऊफ ने यह भी कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत अगले 50 साल तक पाकिस्तान पर हमला करने की हिम्मत नहीं करेगा। वीडियो में रऊफ ने जिस मक्की का नाम लिया है, वह मुंबई हमले के मास्टरमाइंड हाफिज सईद का साला है। पिछले साल दिसंबर में दिल का दौरा पड़ने से उसकी मौत हो गई थी। रऊफ, लश्कर सराना हाफिज सईद का करीबी सहयोगी है।

गुजरात में पुलिस-फॉरेस्ट टीम पर हमला, 47 घायल

दावा-पौधे लगाने गई थी टीम, 500 की भीड़ ने बोला हमला

बनासकांठा (एजेंसी)। अंबाजी तीर्थ शहर से 14 किमी दूर दांता तालुका के पाडलिया गांव में शनिवार दोपहर 500 लोगों ने वन विभाग और पुलिस टीम पर हमला कर दिया। इन लोगों ने पत्थरबाजी की। गुलेल चलाए और तीरों से भी पुलिस कर्मियों को निशाना बनाया। भीड़ ने पुलिस और वन विभाग के सरकारी वाहनों में भी आग लगा दी। टीम गांव में पौधारोपण करने पहुंची थी। इसी दौरान गांव वालों ने टीम हमला कर दिया। हमले के दौरान वन विभाग के वाहनों में आग लगा दी गई और सरकारी वाहनों के टायर काट दिए गए।

मोदीजी का कॉन्फिडेंस खत्म, शाह के हाथ कांपते हैं

रैली में राहुल गांधी बोले- उनकी वोट चोरी पकड़ी गई

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के रामलीला मैदान में रविवार को कांग्रेस ने वोट चोर गट्ठी छोड़ रैली निकाली। पार्टी सांसद राहुल गांधी ने कहा-पीएम मोदी का कॉन्फिडेंस खत्म हो गया है। अमित शाह के हाथ कांपते हैं। वो जानते हैं कि उनकी चोरी पकड़ी गई है। कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा- इन लोगों ने (केंद्र सरकार) ने हमारा

वंदेमातरम् भी चोरी किया है। ये लोग नेहरू-पटेल के बीच दरार पैदा करते हैं। गांधी-नेहरू अंबेडकर पर हमला बोलते हैं। इन गट्ठारों को आपको हटाना होगा। वहीं पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा- आज न्यायालय पर दबाव है। सारी मीडिया अंबानी-अडानी की है। कांग्रेस के नेताओं को तरह-तरह के आरोप लगाकर जेल में बंद किया गया।

प्रियंका बोलीं- हमने जो बनाया, बीजेपी ने सब बिखेर दिया

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा कि आज पीएम मोदी बड़े-बड़े राष्ट्रपतियों के साथ हाथ में हाथ डालकर फोटो खिंचाते हैं, लेकिन जनता के साथ नहीं खड़े होते हैं। ये आपसे नहीं पूछ सकते कि आपके दुख क्या हैं। संसद में इनका आत्मविश्वास घट जाता है। आंख से आंख नहीं मिला पाते। जनता का विश्वास मोदी शाह से हट चुका है।

एमपी में महिलाओं-बच्चों पर अपराध के 10 हजार केस पेंडिंग

यूपी के बाद देश में दूसरे नंबर पर मध्य प्रदेश ; सबसे ज्यादा फास्ट ट्रेक स्पेशल कोर्ट

भोपाल (नप्र)। महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों की सुनवाई के लिए मध्य प्रदेश में 67 फास्ट ट्रेक विशेष न्यायालय संचालित हो रहे हैं। इनमें से 56 अदालतें विशेष पाँसको कोर्ट हैं। एमपी में फास्ट ट्रेक अदालतों का मजबूत ढांचा होने के बावजूद, महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों के मामलों का बोझ कम नहीं हो रहा है।

देश भर में 773 फास्ट ट्रेक स्पेशल कोर्ट- केंद्र सरकार के मुताबिक, 30 सितंबर 2025 तक देश में कुल 773 फास्ट ट्रेक विशेष अदालतें कार्यरत हैं, जिनमें मध्य प्रदेश का हिस्सा उल्लेखनीय है। इसके बावजूद राज्य में महिलाओं और

राजस्थान 45
देश में कुल 773

देश में मध्य प्रदेश की भूमिका- मध्य प्रदेश उन राज्यों में शामिल है जहां फास्ट ट्रेक कोर्ट की संख्या अपेक्षाकृत अधिक है। तुलना करें तो उत्तर प्रदेश में 218, बिहार में 54, राजस्थान में 45, ओडिशा में 44 फास्ट ट्रेक स्पेशल कोर्ट हैं। जबकि मध्य प्रदेश में 67 फास्ट ट्रेक विशेष अदालतें संचालित हैं।

सरकार का तर्क- केंद्र सरकार ने संसद को बताया कि फास्ट ट्रेक विशेष अदालतों की स्थापना न्यायिक संशोधन अधिनियम 2018 और सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के तहत की गई है।

राज्य यूपी 218
एमपी 67
केरल 55
बिहार 54

फास्ट ट्रेक स्पेशल कोर्ट

बच्चों से जुड़े मामलों का बोझ कम नहीं हुआ है।

राज्य यूपी 218
एमपी 67
केरल 55
बिहार 54

फास्ट ट्रेक स्पेशल कोर्ट

भोपाल मेट्रो का कमर्शियल रन 20 दिसंबर को वरुंचली जुड़ेंगे प्रधानमंत्री, मिंटो हॉल में पीएम का लाइव...फिर मेट्रो में बैठेंगे सीएम-मंत्री

भोपाल (नप्र)। भोपाल मेट्रो का कमर्शियल रन अब तय समय से 1 दिन पहले यानी, 20 दिसंबर को होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वरुंचली जुड़ेंगे और मेट्रो को हरी झंडी दिखाएंगे। केंद्रीय मंत्री मनोहरलाल खट्‌टर और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मेट्रो में बैठेंगे। पहले मेट्रो की शुरुआत 21 दिसंबर को होगी थी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने खजुराहो में मेट्रो की शुरुआत करने की बात कही थी, लेकिन अब यह बदलाव हुआ है। संभावित शेड्यूल के मुताबिक, 20 दिसंबर को शाम 4 बजे कुशाभाउ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (मिंटो हॉल) में मुख्य कार्यक्रम होगा। इसमें प्रधानमंत्री मोदी का लाइव होगा। यानी, वे वरुंचली जुड़ेंगे। इसके बाद केंद्रीय मंत्री, मुख्यमंत्री समेत प्रदेश के कई मंत्री, सांसद-विधायक और अन्य जनप्रतिनिधि मेट्रो में सवार होंगे। सुभाषनगर स्टेशन से शाम 5 बजे मेट्रो चलेगी और 6.22 किलोमीटर की दूरी तय कर एम्स स्टेशन पहुंचेगी। इन

दोनों स्टेशनों को सजाने का काम शुरू हो गया है। सुख्खा के महेनजर मेट्रो कार्पोरेशन ने अपनी सिम्योरेटि टेनात कर दी है। फिलहाल किसी भी बाहरी व्यक्ति को स्टेशन के अंदर जाने नहीं दिया जा रहा है। सुभाषनगर-एम्स के साथ ही केंद्रीय स्कूल, डीबी मॉल, एमपी नगर, रानी कमलापति, डीआरएम ऑफिस और अलकापुरी में भी सुरक्षा का कड़ा घेरा है। मेट्रो के अंदर के काम तो हो चुके हैं, लेकिन कानूनी काम दो-तीन महीने तक चलते रहेंगे। इससे मेट्रो का कमर्शियल रन प्रभावित नहीं होगा।

एम्स स्टेशन पर मीडिया से चर्चा करेंगे केंद्रीय मंत्री- अब तक के प्लान के मुताबिक, केंद्रीय मंत्री खट्‌टर और सीएम डॉ. यादव एम्स स्टेशन पर मीडिया से चर्चा करेंगे। वे यहां पर मेट्रो से जुड़ी सारी जानकारी देंगे और आगे का रोड मैप बताएंगे।

परिक्रमा

समग्र विकास का दावा करते मुख्यमंत्री मोहन यादव



अरुण पटेल

लेखक

सुबह सवेरे के प्रबंध संपादक हैं

मंत्री श्री सारंग ने नरेला विधानसभा के वार्ड 44 में विकास कार्यों का किया भूमि-पूजन

भोपाल (नप्र)। सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने रविवार को नरेला विधानसभा अंतर्गत वार्ड क्रमांक 44 स्थित पद्मानाभ नगर में टंकी निर्माण सहित विभिन्न विकास कार्यों का भूमि-पूजन कर क्षेत्रवासियों को विकास की नई सौगातें दीं। मंत्री श्री सारंग ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि वर्ष 2008 से पहले नरेला विधानसभा क्षेत्र में पेयजल की गंभीर समस्या थी और नागरिकों को टैंकों पर निर्भर रहना पड़ता था। उन्होंने कहा कि आज



नरेला विधानसभा क्षेत्र में हर घर तक नर्मदा जल की आपूर्ति सुनिश्चित की जा चुकी है। क्षेत्र की कॉलोनियों में समुचित ड्रेनेज व्यवस्था विकसित की गई है तथा नालों का व्यवस्थित चैनलाइजेशन कर जलभराव की समस्या को पूरी तरह समाप्त किया गया है।

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि विकास एक सतत प्रक्रिया है, जो समय के साथ और नागरिकों की आवश्यकताओं के अनुरूप निरंतर आगे बढ़ती रहती है। इसी सोच के साथ नरेला विधानसभा के प्रत्येक वार्ड, कॉलोनी और मोहल्ले में योजनाबद्ध तरीके से विकास कार्य किए जा रहे हैं, जिससे नागरिकों को बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। मंत्री श्री सारंग ने घोषणा की कि पद्मानाभ नगर में पानी की टंकी निर्माण के साथ क्षेत्रवासियों को शीघ्र ही सुव्यवस्थित पार्क एवं ओपन जिम की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। इसके साथ ही सुभाष नगर खेल मैदान को एक व्यवस्थित और विकसित खेल मैदान के रूप में तैयार किया जाएगा, जिससे युवा खिलाड़ियों को अभ्यास और खेल गतिविधियों के लिए बेहतर अवसर मिलेंगे।

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि काली मंदिर के समीप कम्युनिटी हॉल का निर्माण कराया जाएगा, जो सामाजिक, सांस्कृतिक एवं सामुदायिक आयोजनों के लिए उपयोगी सिद्ध होगा। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ नागरिक एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने आगरा में सामूहिक विवाह कार्यक्रम में 551 जोड़ों को वीसी के माध्यम से उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विधायक श्री मधु गहलोत के पुत्र श्री मोहित सिंह गहलोत और उनकी पुत्रवधू सहित आगरा में मंडी प्राणण में सात फेरों के बंधन में बंधने वाले सभी 551 जोड़ों को ब्रिलिएंट कनवेंशन सेंटर इंदौर से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उज्जवल भविष्य शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'सबका साथ, सबका विकास' के मूल मंत्र अनुरूप सामूहिक विवाह कार्यक्रम सभी अभिभावकों के विवाह आयोजन के स्वप्न को साकार करने में सहायक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह जानकर खुशी व्यक्त की कि विधायक श्री मधु गहलोत अब तक 10 हजार बेटियों के विवाह में सहयोग कर चुके हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विधायक श्री गहलोत के पुत्र श्री मोहित सिंह गहलोत से अपेक्षा जताई कि वे अपने पिता के समाजसेवा कार्य को आगे बढ़ावेंगे। उन्होंने इस शुभ आयोजन के लिए दादा नरिंम फाउंडेशन के प्रयासों की सराहना की और बाबा बैद्यनाथ की धरती में आयोजित इस मंगल कार्य के लिए शुभकामनाएं दीं। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट सहित अन्य जन प्रतिनिधि उपस्थित थे।

मॉडल हायर सेकेण्डरी स्कूल टी.टी. नगर को मध्यप्रदेश के बेस्ट अवॉर्ड श्रेणी का पुरस्कार

भोपाल (नप्र)। भोपाल के मॉडल हायर सेकेण्डरी स्कूल टी.टी. नगर को मुख्यई में स्टार एजुकेशन अवॉर्ड प्राप्त हुआ है। यह पुरस्कार मध्यप्रदेश के बेस्ट स्कूल की श्रेणी में प्राप्त हुआ है। स्कूल की प्राचार्य श्रीमती रेखा शर्मा ने यह पुरस्कार मुख्यई में प्राप्त किया। अवॉर्ड कार्यक्रम का आयोजन टाइम्स ऑफ इण्डिया और ईएसएफई के सहयोग से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 10 हजार से अधिक शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधि शामिल हुए। देश के स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार और सुधार विषय पर 150 से अधिक वैश्विक वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किये।

नशाखोरी के आदी हो गये हैं उन्हें भी इस बुरी आदत को छोड़ने के लिए मानसिक रूप से तैयार होना होगा। नशे के अवैध कारोबार करने वालों को बक्शा नहीं जायेगा, कहते हुए मुख्यमंत्री मोहन यादव यह कहने से नहीं चूके कि अक्टूबर 2024 में गुजरात एटीएस और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने मध्यप्रदेश में अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया था। भोपाल में मादक पदार्थ बनाने वाली फैक्ट्री से 1800 करोड़ रुपये से अधिक की ड्रग्स बरामद की गयी



थी, दो आरोपी भी दबोचे गये थे। इस साल अगस्त में फिर राजस्व खुफिया निदेशालय ने भोपाल में 92 करोड़ रुपये की एमडी ड्रग्स पकड़ी थी। नवम्बर माह के पहले सप्ताह में धार के ऐसे युवक को इंदौर क्राइम ब्रान्च ने पकड़ा जो आनलाइन आर्डर पर इंदौर में एमडी ड्रग्स की सप्लाई करता था। छिंदवाड़ा में 63.62 ग्राम एमडी ड्रग्स के साथ तीन युवक पकड़े गये थे। ऐसी कार्रवाइयां होती रहती है फिर भी नेटवर्क ध्वस्त नहीं हो रहा है ऐसे में मोहन यादव सरकार आगामी तीन वर्ष में नशे का नाश करेगी, यह भी

खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन से सकारात्मक वातावरण के निर्माण के साथ ही भाईचारे की भावना विकसित होती है : शुक्ल

उप मुख्यमंत्री ने जल संसाधन विभाग की 34वीं अंतर्क्षेत्रीय खेल प्रतियोगिता का किया शुभारंभ

भोपाल (नप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन से सकारात्मक वातावरण निर्माण के साथ ही भाईचारे की भावना विकसित होती है। खेल गतिविधियों में भाग लेने वाले खिलाड़ी खेल भावना से खेलते हैं और हारने के बाद भी जीतने वाले को बधाई देते हैं। उप मुख्यमंत्री ने जल संसाधन विभाग की 34वीं अन्तर्क्षेत्रीय खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ किया।

स्पোর্ट्स काम्पलेक्स में 6 दिनों तक आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं का शुभारंभ करते हुए उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सिंचाई विभाग के अधिकारी व कर्मचारी अपने आपको शारीरिक और मानसिक रूप से फिट रखने के लिए खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन प्रतिवर्ष करते हैं। रीवा में आयोजित हो रही इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले अधिकारी व कर्मचारियों का स्वागत करते हुए उप मुख्यमंत्री ने कहा कि रीवा की पवित्र भूमि में आप सब पधारे हैं। इस भूमि के एक तरफ चित्रकूटधाम तथा दूसरी तरफ माँ विष्णुवासनी देवी विराजी हैं। रीवा को बाबा महामुरुंजय,



चिरहुलानाथ एवं रानीतालाब की माँ कालिका का आशीर्वाद है।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि रीवा में सोन और बीहर नदी का पानी अविरल रूप से बहता रहता है। बाणसागर बांध के बन जाने से सिंचाई की नहरों के माध्यम से किसानों के खेतों तक पानी पहुंच रहा है। अभी 3 लाख एकड़ क्षेत्र में पानी मिल रहा है शीघ्र ही 6 लाख एकड़ में पानी पहुंचने लगेगा और

आगामी वर्षों में रीवा एवं मऊजंग जिले के 9 लाख एकड़ क्षेत्र में किसानों को पानी मिलेगा और एक-एक इंच भूमि सिंचित हो जायेगी। उन्होंने कहा कि सिंचाई सुविधाओं में वृद्धि सिंचाई विभाग द्वारा ही हो रही है। मुझे खुशी है कि विभाग के अधिकारी व कर्मचारी अपने आपको फिट रखने के लिए खेल प्रतियोगिताओं का भी आयोजन करते हैं। उन्होंने कहा कि सिंचाई विभाग के

अधिकारियों व कर्मचारियों के मेहनत से ही प्रदेश में 54 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई हो रही है। आने वाले समय में एक करोड़ हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई होगी और प्रदेश का एक-एक इंच भाग सिंचित होगा और मध्यप्रदेश अग्रणी प्रदेश बनेगा। उन्होंने कहा कि रीवा में स्पোর্ट्स काम्पलेक्स के बन जाने के बाद विभिन्न खेल गतिविधियों का आयोजन हो रहा है और खिलाड़ियों को विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने के अवसर मिल रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि जल संसाधन विभाग द्वारा आयोजित खेल प्रतियोगिता में प्रदेश के सभी सभागों के लगभग 600 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं जिनमें से 25 से अधिक विभागीय महिला खिलाड़ी भी शामिल हैं। प्रतियोगिता में फुटबाल, क्रिकेट, टेबलटेनिस, लानटेनिस, शूटबाल, बालीबॉल, कबड्डी, बैडमिंटन एवं एथलेटिक्स की खेल गतिविधियाँ होंगी। शुभारंभ अवसर पर मुख्य अभियंता ए.के. डेहरिया, अधीक्षण यंत्री मनोज तिवारी सहित विभागीय अधिकारी व प्रतिभागी उपस्थित रहे।

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने गुना जिले के म्याना रेलवे स्टेशन को किया सम्मानित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुना के 'म्याना रेलवे स्टेशन' को सम्मानित होने पर दी बधाई

भोपाल (नप्र)। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने रविवार को नई दिल्ली में राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस के अवसर पर गुना के 'म्याना रेलवे स्टेशन' को सम्मानित किया है। ऊर्जा संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करते हुए म्याना रेलवे स्टेशन द्वारा 9 हजार 687 यूनिट विद्युत ऊर्जा की बचत की गई है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस पर राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार (नेशनल एनर्जी कंजर्वेशन अवॉर्ड-2025) के अंतर्गत ट्रांसपोर्ट कैटेगरी (रेलवे स्टेशन) में जिला गुना के 'म्याना रेलवे स्टेशन' को बेस्ट परफॉर्मिंग यूनिट के रूप में सम्मानित होने पर बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के म्याना रेलवे स्टेशन ने ऊर्जा संरक्षण के क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित कर गौरव बढ़ाया है। इस उपलब्धि के लिए संबंधित अधिकारी-कर्मचारी और सहयोगी टीम बधाई की पात्र है।

भोपाल में ब्राह्मण समाज की पुलिस से धक्का-मुक्की, झड़प

सीएम हाउस का घेराव करने की कोशिश, बैरिकेडिंग तोड़ी ; वॉटर कैनन चलानी पड़ी

भोपाल (नप्र)। भोपाल में ब्राह्मण समाज ने आईएसएस अधिकारी संतोष वर्मा के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। रविवार सुबह प्रदर्शनकारी रोशनपुरा चौराहे पर इकट्ठा हुए। नारेबाजी करते हुए सीएम हाउस की ओर बढ़े। पुलिस ने रोकने की कोशिश की तो धक्का-मुक्की करने लगे।

ग्वालियर के एडवोकेट अनिल मिश्रा के नेतृत्व में प्रदर्शनकारी, वर्मा की तत्काल गिरफ्तारी और सेवा से बर्खास्तगी की मांग कर रहे थे। वे रोशनपुरा चौराहे पर पुलिस घेराबंदी तोड़ते हुए बाणगंगा चौराहे तक पहुंच गए। यहां 4 लेयर की बैरिकेडिंग के बावजूद आगे बढ़ने की कोशिश करते रहे। पुलिस ने तीन बार चेतावनी दी, फिर स्थिति संभालने के लिए वॉटर कैनन चलानी पड़ी। धक्का-मुक्की के दौरान कई बुजुर्ग और महिलाएं घायल हो गईं। मौके पर मौजूद एम्बुलेंस और मेडिकल टीम ने प्राथमिक उपचार दिया। तनावपूर्ण हालात को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल बुलाया गया। प्रदर्शनकारियों को गाड़ियों में भरकर पुलिस रातौबड़ले गई।



राज्य सरकार ने भेजा बर्खास्तगी का प्रस्ताव

ब्राह्मण बेटियों को लेकर आपत्तिजनक कमेंट करने वाले सीनियर आईएसएस संतोष कुमार वर्मा की बर्खास्तगी का प्रस्ताव राज्य सरकार, केंद्र को भेज चुकी है। हालांकि, प्रशासनिक जानकारों का कहना है कि सामान्य प्रशासन विभाग ने जो प्रस्ताव भेजा है, वह अधूरा है। प्रस्ताव में यह साफ नहीं है कि सरकार संतोष वर्मा को बर्खास्त करना चाहती है या सिर्फ उनका प्रमोशन रद्द करना चाहती है। इस अस्पष्टता के कारण केंद्र सरकार प्रस्ताव को वापस भी कर सकती है। सामान्य प्रशासन विभाग के अपर सचिव फरहीन खान के हस्ताक्षर से 12 दिसंबर को यह प्रस्ताव कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग को भेजा गया था। इसमें संतोष वर्मा के खिलाफ कार्रवाई की बात कही गई है, लेकिन कार्रवाई के ठोस कारण स्पष्ट रूप से नहीं बताए गए हैं।

प्रदेश में शहडोल का कल्याणपुर सबसे ठंडा, पारा 4.7 डिग्री

भोपाल (नप्र)। उत्तरी राज्यों में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस (पश्चिमी विक्षोभ) की वजह से बादल, बारिश और बर्फबारी वाला मौसम है। इससे सर्द हवाएं कमजोर हुई हैं और एमपी में अगले 3 दिन तक शीतलहर का अलर्ट नहीं है। हालांकि, पारा लगातार लुढ़क रहा है। शहडोल का कल्याणपुर सबसे ठंडा है। यहां पारा 5 डिग्री से नीचे चल

रहा है। बीती रात पारा 4.7 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग के अनुसार, दो पश्चिमी विक्षोभ अगले कुछ दिन में उत्तर भारत में पहुंचेंगे। इस वजह से पहाड़ों में बर्फबारी-बारिश का दौर बना रहेगा। तब ये सिस्टम आगे बढ़ेंगे तो बर्फ पिघलेगी और सर्द हवाएं एमपी में आएंगी। इससे एक बार फिर कोल्ड वेव यानी, शीतलहर का दौर शुरू होगा।

एमपी के 25 शहरों में पारा 10 डिग्री से नीचे-मौसम विभाग के अनुसार, शनिवार की रात में प्रदेश के 25 शहरों में रात का पारा 10 डिग्री से नीचे रहा। 5 बड़े शहरों में इंदौर में सबसे कम 5.9 डिग्री रहा। भोपाल में 6.4 डिग्री, ग्वालियर में 9.8 डिग्री, उज्जैन में 9.2 डिग्री और जबलपुर में 8.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। शहडोल के

● भोपाल-इंदौर में 7 डिग्री से कम; अगले 3 दिन शीतलहर का अलर्ट नहीं

कल्याणपुर में पारा 4.7 डिग्री रहा। वहीं, राजगढ़-पचमढ़ी में 5.4 डिग्री, मंदसौर में 6 डिग्री, शाजापुर में 6.4 डिग्री, रीवा में 7 डिग्री, रायसेन-नीगाव में 7.6 डिग्री, मलाजखंड में 7.9 डिग्री, मंडला-शिवपुरी में 8.2 डिग्री, दतिया में 8.4 डिग्री, बैतूल में 9 डिग्री, दमोह, सतना, टीकमगढ़ और खजुराहो में तापमान 9.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।



कानून और न्याय

विनय झैलावत

(पूर्व असिस्टेंट सॉलिसिटर जनरल एवं वरिष्ठ अधिवक्ता)



विपक्ष के सांसदों ने मद्रास उच्च न्यायालय की मद्रुरै खंडपीठ के न्यायमूर्ति जीआर स्वामीनाथन के खिलाफ महाभियोग चलाने की मांग करते हुए संसद के दोनों सदनों में नोटिस दाखिल किए हैं। यह कार्रवाई तमिलनाडु के तिरुपरनकुंड्रम पहाड़ी पर कार्टिकई दीपम उत्सव के दौरान पारंपरिक दीपक जलाने को लेकर हुए विवाद में न्यायाधीश के हालिया आदेश से संबंधित है। इसे विपक्षी सांसद संविधान के अनुच्छेद 218 के तहत 'सिद्ध दुर्व्यवहार और अक्षमता' मानता है। मुख्य रूप से डीएमके द्वारा समन्वित ये महाभियोग नोटिस लोकसभा और राज्यसभा में दाखिल किए गए हैं। इन पर सौ से अधिक लोकसभा सांसदों और पचास राज्यसभा सदस्यों के हस्ताक्षर हैं, जो कार्यवाही शुरू करने के लिए आवश्यक न्यूनतम संख्या को पूरा करते हैं। नोटिस में आरोप लगाया गया कि उक्त न्यायाधीश के आचरण से न्यायिक निष्पक्षता और पारदर्शिता पर सवाल उठते हैं। इन पर एक वरिष्ठ अधिवक्ता और एक विशेष समुदाय के अभिभाषकों को अनुचित पक्षपात दिखाने का आरोप भी लगाया गया। यह दावा भी किया गया कि उनके फैसले एक विशेष राजनीतिक विचारधारा से प्रभावित थे, जो धर्मनिरपेक्ष संवैधानिक सिद्धांतों के विरुद्ध थे।

यह विवाद मद्रुरै के तिरुपरनकुंड्रम पहाड़ी पर स्थित सुब्रमण्य स्वामी मंदिर में शुरू हुआ, जो हिंदू परंपरा में वार्षिक कार्तिकई दीपम उत्सव के लिए एक पवित्र स्थल है। कार्तिकई दीपम तमिलनाडु और दक्षिण भारत के अन्य हिस्सों में मनाया जाने वाला एक प्रमुख हिंदू त्यौहार है। इस पहाड़ी पर एक दरगाह भी है। हिंदू तमिलन काची के संस्थापक सीमान (जिन्हें रामा रविकुमार के नाम से भी जाना जाता है) द्वारा दायर एक याचिका पर, न्यायमूर्ति स्वामीनाथन ने तमिलनाडु के सुब्रमण्य स्वामी मंदिर के अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे मद्रुरै जिले में स्थित दीपस्तून (स्तंभ) पर दीपक प्रज्वलित करना सुनिश्चित करें। पीठ ने कहा कि ऐसा करने से आस-पास की दरगाह या मुस्लिम समुदाय के अधिकारों का उल्लंघन नहीं होगा। जब यह आदेश लागू नहीं हुआ, तो एकल न्यायाधीश ने 3 दिसंबर को एक और आदेश पारित किया। इसमें श्रद्धालुओं को स्वयं दीपक जलाने की अनुमति दी गई।

प्रथम पुण्यतिथि पर विशेष

यशवंत गोरे

तेलुगु साहित्यकार हैं।



3स्ताद जाकिर हुसैन जैसे कलाकार बहुत कम होते हैं, यदा-कदा आते हैं। उन्होंने संगीत को एक नई ऊंचाई, एक नई पहचान दी। उसे लोकप्रियता का नया आयाम दिया। न सिर्फ भारत में, बल्कि विदेश में उन्होंने एक बड़ा प्रशंसक वर्ग तैयार किया। तरह-तरह के प्रयोग करते रहे। भारतीय संगीत के साथ भी और विश्व के दूसरे देशों के संगीत के साथ भी। यह कहना है प्रख्यात बांसुरी वादक पं. हरिप्रसाद चौरसिया का। भारतीय शास्त्रीय संगीत के सबसे महान दूतों में से एक उस्ताद जाकिर हुसैन का तबला, जिसके जरिये उन्होंने पूरी दुनिया को शांति व मानवता का संदेश दिया और जिस पर उनकी अविश्वसनीय गति, प्रवीणता और रचनात्मकता ने सभी संस्कृतियों के दर्शकों को बांध कर रखा, जिनकी आज पुण्यतिथि है। आज ही के दिन 15 दिसंबर 2024 को अमेरिका के सान फ्रांसिस्को के अस्पताल में निधन हो गया था। उन्होंने जिस तरह तबले को एक वाद्य यंत्र से ऊपर उठाते हुए आत्माभिव्यक्ति का जरिया बनाकर संगीत को एक जादुई संवाद बना दिया, उसे देखते हुए अगर उनका

ट्रैवलॉग चर्चा

ब्रजेश कानूनगो



जलप्रपात प्रकृति की सबसे अद्भुत रचनाओं में से एक हैं, जो अपनी शक्ति, सौंदर्य और विशालता से हर किसी को मंत्रमुग्ध कर देते हैं। ये न केवल भौगोलिक आश्चर्य हैं, बल्कि दुनिया भर में पर्यटन, रोमांच और सांस्कृतिक महत्व के केंद्र भी हैं। गत दिनों हमने यूट्यूब पर ट्रैवलर ब्लॉगर दावूद अखुंदाजा के जांबिया और जिम्बाब्वे के ट्रैवल वीडियोस को देखा। ट्रैवलर ने जांबिया और जिम्बाब्वे दोनों देशों की ओर से विक्टोरिया फाल के नजारे देखे और दर्शकों को भी घर बैठे पर्यटन का आनंद देने की सफल कोशिश की। दरअसल विक्टोरिया फॉल्स अफ्रीका के दक्षिणी भाग में स्थित एक प्रसिद्ध झरना है, जो जांबिया और जिम्बाब्वे की सीमा पर स्थित है। यह झरना जाम्बेजी नदी पर स्थित है और अपनी विशालता और सुंदरता के लिए प्रसिद्ध है। उनकी इस यात्रा को देखकर हमें अपनी कनाडा यात्रा के नियाग्रा जल प्रपात के दृश्यों की याद आ गई। दरअसल ‘नियाग्रा जलप्रपात’ अमेरिका के न्यूयॉर्क और कनाडा के ओंटारियो प्रांतों के मध्य अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बहने वाली नियाग्रा नदी पर स्थित है। यह दुनिया के सबसे बड़े और ऊँचे प्रपातों में से एक दर्शनीय जलप्रपात है। यह जलप्रपात न्यूयॉर्क के बफेलो से 27 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम और कनाडा के टोरंटो (ओन्टारियो) से 120 किलोमीटर दक्षिण पूर्व में स्थित है। नियाग्रा नदी किनारे कोई 100 फिट ऊपर लगी रेलिंग के साथ साथ आगे बढ़ते हुए देखने पर हर बार प्रपात की भव्यता और खूबसूरती प्रत्येक कोण से निखरती जाती है। गहराई में पर्यटकों से भरे बोट कोई 400 से अधिक कानियों को बिल्कुल निकट तक ले जाकर तेज बौछारों में नहलाकर इसकी भव्यता और रोमांच का अहसास करा देते हैं। घोड़े की नाल के आकार की तरह होने के कारण

जजों के विरुद्ध महाभियोग की मनोवृत्ति पर विचार

सन् 1993 में, न्यायमूर्ति वी रामास्वामी महाभियोग की कार्यवाही का सामना करने वाले पहले न्यायाधीश बने। लोकसभा में प्रस्ताव पेश किए जाने के बावजूद, इसे आवश्यक दो-तिहाई बहुमत नहीं मिल सका। इससे महाभियोग प्रक्रिया में आने वाली चुनौतियों के लिए एक मिसाल कायम हुई। वर्ष 2011 में, राज्यसभा द्वारा उनके खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पारित किए जाने के बाद कलकत्ता उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति सीमित्र सेन ने इस्तीफा दे दिया था। न्यायमूर्ति सेन कदाचार के लिए उच्च सदन द्वारा महाभियोग का सामना करने वाले पहले न्यायाधीश बने। जुलाई 2011 में, सिक्किम उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति पीडी दिनाकरन ने भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों के बीच इस्तीफा दे दिया।

साथ ही केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) को उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। 4 दिसंबर 2025 को न्यायमूर्ति स्वामीनाथन ने अवमानना याचिका पर पुनः सुनवाई की। उन्होंने पाया कि यद्यपि याचिकाकर्ता सीआईएसएफ कर्मियों के साथ पहाड़ी की तलहटी तक पहुंच गए थे, फिर भी मद्रुरै शहर के पुलिस आयुक्त लंगनाथन, आईपीएस ने उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया। इसके लिए मद्रुरै के जिला मजिस्ट्रेट और कलेक्टर द्वारा जारी भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 की धारा 163 (पूर्ववर्ती धारा 144 सीआरपीसी) के तहत एक आदेश का हवाला दिया। परिणामस्वरूप, सीआईएसएफ दल वापस लौट गया और याचिकाकर्ता न्यायालय की स्पष्ट अनुमति के बावजूद दीप प्रज्वलित नहीं कर सके। संवैधानिक ढांचे को क्रियान्वित करने के लिए, विस्तृत प्रक्रियात्मक पहलुओं को सन् 1968 के न्यायाधीश जांच अधिनियम में निहित किया गया है। यह विधायी दस्तावेज उन चरणों की एक संरचित श्रृंखला को रेखांकित करता है जिनका सावधानीपूर्वक पालन हटाने की प्रक्रिया में निष्पक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए किया जाना चाहिए। अधिनियम के तहत हटाने की प्रक्रिया की शुरुआत संसद के किसी भी सदन के अध्यक्ष या अध्यक्ष को नोटिस प्रस्तुत करने से होती है। विशेष रूप से राज्यसभा सदस्यों या कम से कम सौ लोकसभा सदस्यों द्वारा नोटिस पर हस्ताक्षर किए जाने चाहिए। नोटिस प्राप्त होने पर, अध्यक्ष प्रस्ताव को स्वीकार या अस्वीकार करने का महत्वपूर्ण निर्णय लेने से पहले संबंधित व्यक्तियों और सामग्री से परामर्श करते हैं। यदि प्रस्ताव स्वीकार कर लिया जाता है, तो अध्यक्ष या चेयरमैन आरोपों की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन करते हैं। इस समिति का



का अगला चरण शुरू होता है। इसमें संसदीय विचार-विमर्श और निष्कासन प्रस्ताव पर बहस शामिल होती है। निष्कासन प्रस्ताव को आगे बढ़ाने के लिए संसद के दोनों सदनों से अनुमोदन प्राप्त करना आवश्यक है। इसके लिए मापदंड सख्त है। इसके लिए सदन की कुल सदस्यता का बहुमत और उससे भी महत्वपूर्ण, उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों में से कम से कम दो-तिहाई सदस्यों का बहुमत आवश्यक है। दोनों सदनों में निष्कासन प्रस्ताव के सफलतापूर्वक पारित होने पर, इसे अध्यक्ष को भेजा जाता है। इस प्रक्रिया में अंतिम निर्णायक के रूप में राष्ट्रपति, न्यायाधीश को हटाने का आधिकारिक आदेश जारी करते हैं, बशर्ते कि याचिका आवश्यक बहुमत मानदंडों को पूरा करती हो। यह एक महत्वपूर्ण तथ्य है अब तक किसी भी भारतीय न्यायाधीश पर महाभियोग नहीं चलाया गया है। सन् 1993 में, न्यायमूर्ति वी रामास्वामी महाभियोग

की कार्यवाही का सामना करने वाले पहले न्यायाधीश बने। लोकसभा में प्रस्ताव पेश किए जाने के बावजूद, इसे आवश्यक दो-तिहाई बहुमत नहीं मिल सका। इससे महाभियोग प्रक्रिया में आने वाली चुनौतियों के लिए एक मिसाल कायम हुई। वर्ष 2011 में, राज्यसभा द्वारा उनके खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पारित किए जाने के बाद कलकत्ता उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति सीमित्र सेन ने इस्तीफा दे दिया था। न्यायमूर्ति सेन कदाचार के लिए उच्च सदन द्वारा महाभियोग का सामना करने वाले पहले न्यायाधीश बने। जुलाई 2011 में, सिक्किम उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति पीडी दिनाकरन ने भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों के बीच इस्तीफा दे दिया। उनका मामला इसलिए उल्लेखनीय है कि महाभियोग की कार्यवाही शुरू होने वाली थी और राज्यसभा अध्यक्ष ने आरोपों की जांच के लिए एक न्यायिक पैनल का गठन किया था। सन् 2015 के 58 सदस्यों ने गुजरात उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला के खिलाफ महाभियोग नोटिस शुरू किया। इस कार्रवाई का आधार पारदीवाला की आरक्षण के मुद्दे पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणियां थीं। उसी वर्ष, राज्यसभा के पचास से अधिक सदस्यों ने न्यायमूर्ति एस्के गंगेले को हटाने के लिए एक प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए थे। इन पर ग्वालियर के एक पूर्व जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वारा यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया गया था। हालांकि, न्यायाधीश जांच अधिनियम, 1968 के तहत गठित एक जांच समिति ने पाया कि रिपोर्ट में मौजूद सामग्री यौन उत्पीड़न के आरोप को साबित करने के लिए अपर्याप्त थी। परिणामस्वरूप, प्रस्ताव वापस ले लिया गया। मार्च 2025 में, दिल्ली उच्च न्यायालय के

सांस्कृतिक एकता के दूत थे जाकिर हुसैन

नाम तबले के पर्याय के रूप में लिया जाता है, तो हैरत नहीं होती। उस्ताद के तबले की थाप ने संगीत को नए सिरे से परिभाषित करते हुए न केवल भारतीय शास्त्रीय संगीत को जीवंत किया, बल्कि उसमें आधुनिकता का ऐसा रंग भी भरा, जिससे हर पीढ़ी खुद को उससे जोड़ पाती थी। उनकी कला केवल सुरों का सरगम न होकर, भारतीय परंपरा और संस्कृति की गहराई का प्रतीक थी। शायद यही वजह है कि प्रधानमंत्री मोदी ने जाकिर हुसैन को सही मायनों में एक जीनियस कलाकार और सांस्कृतिक एकता का दूत कहा था, जिन्होंने भारतीय शास्त्रीय संगीत का पूरी दुनिया में डंका बजाया। अपने पिता, महान तबला वादक उस्ताद अल्ला रक्खा के समिल प्रेरणा और उन्हीं के पदचिह्नों पर चलते हुए उन्होंने तबले को एक नया और ऐसा आयाम दिया, जो अब तक अज्ञात था। जाकिर साहब का जीवन भी किसी प्रेरणा से कम नहीं। सात साल की उम्र से ही उन्होंने पंडित रविवर्कर, अली अकबर खान और शिवकुमार शर्मा जैसे दिग्गज भारतीय कलाकारों के साथ काम करना शुरू किया, तो यो-यो मा, जॉन मैकलॉफलिन, चार्ल्स लॉयड और जॉर्ज



जिसके जरिये उन्होंने देसी-विदेशी कलाकारों के साथ मिलकर भारतीय शास्त्रीय संगीत और जैज संगीत को मिलाने का प्रयोग किया और विश्व के दिग्गज संगीतकारों

के साथ जुगलबंदी कर देश का मान भी बढ़ाया। मशहूर तबला वादक उस्ताद अकसम खान कहते हैं कि उनकी 'दस अंगुलियों में दस आंखें थीं।' जाकिर हुसैन चार बार प्रतिष्ठित ग्रैमी पुरस्कार जीतने वाले भारत के पहले संगीतज्ञ थे, जिन्होंने एक ही वर्ष में तीन ग्रैमी पुरस्कार भी जीते। तीनों पद्म सम्मान उस्ताद जाकिर हुसैन को भारतीय शास्त्रीय संगीत में उनके अतुल्य योगदान के लिए 1988 में पद्मश्री, 2002 में पद्म भूषण और 2023 में पद्म विभूषण प्रदान किया गया था। जाकिर हुसैन कहा करते थे कि वाद्य की इज्जत करें... उन्होंने एक बार बताया था कि 'मेरे पिता जो हमेशा कहते थे कि यह सरस्वती है, इसकी इज्जत करो, इसे रास्ते की कोई चीज न समझो। कभी तबले के पास जूता न रखो, तबले पर कभी अपने कपड़े न रखो, उसको एक पूजा की चीज समझो। हर वाद्य में एक रूह है, एक आत्मा है। अगर

आपको एक अच्छा कलाकार बनना है तो आपको उस वाद्य से इजाजत लेनी है कि वह वाद्य आपको स्वीकार करे। मैं 12 साल का था, तब से मैंने तबला बजाने का सफर शुरू किया था। मुंबई से जा रहे हैं, मुगलसराय में उतरकर ट्रेन बदल रहे हैं, पटना या कोलकाता जा रहे रहे हैं। हम हम छोटे थे और इतने पैसे नहीं होते थे कि आरक्षण वगैरह करा सकें। उस समय बस यह था कि ट्रेन में घुसना है। लेकिन दिमाग में यह भी होता था कि पिता का आदेश है कि यह सरस्वती है, तो तबले को कोई धक्का भी नहीं पहुंचना चाहिए। तो सीट तो मिलती नहीं, अखबार बिछाकर नीचे बैठ जाता और गोद में तबला ले लेता, जिससे उसे धक्का न लगे।' वह वास्तव में दुनिया के सर्वाधिक लोकप्रिय संगीतकारों और सबसे प्रतिभाशाली तबला वादकों में से एक थे। जाकिर हुसैन ने दुनियाभर में तबला और भारतीय शास्त्रीय संगीत के लिए जो कुछ किया, वह वास्तव में अभूतपूर्व है। वह वास्तव में एक पूर्ण संगीतकार थे, जो बेहद विनम्र और शालीन स्वभाव के धनी थे। शास्त्रीय संगीत की दुनिया में क्रांति लाने वाले महान प्रतिभा संपन्न शख्स के रूप में जाकिर हुसैन को हमेशा याद रखा जाएगा। उनकी असाधारण लयबद्धता संगीत प्रेमियों की आने वाली कई पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी।

प्रकृति का अद्भुत सौंदर्य हैं ये भव्य जलप्रपात

कनाडा की साइड के प्रपात को 'हॉर्स शू प्रपात' कहा जाता है वहीं अमेरिका वाली साइड पर दिखाई देने वाले को 'अमेरिकन प्रपात' कहते हैं। 'हॉर्स शू प्रपात' यहाँ आने वाले पर्यटकों को ऐसे निरीक्षण कक्ष में ले जाते हैं, जहाँ गिरते पानी के बीच खड़े होने का अहसास होता है। अमरीका साइड और कनाडा साइड से चलने वाले विशाल बोट पर्यटकों को प्रपातों के मध्य तक दिन भर सैर करवाते रहते हैं। हम लोगों ने भी इस रोमांच का भरपूर मजा लिया। विश्व के बड़े जलप्रपात अक्सर दो देशों की सीमाओं पर स्थित नदियों के आसपास दोनों ओर से सुंदर दृश्य प्रस्तुत करते हैं। नियाग्रा फाल जैसे कनाडा और यूएसए की सीमा पर बहने वाली नियाग्रा नदी पर बनता है उसी तरह विक्टोरिया फाल जांबिया और जिम्बाब्वे की सीमा पर बहने वाली जांबेजी नदी पर बनता है। विक्टोरिया फॉल्स नियाग्रा फॉल्स से लगभग दोगुना ऊंचा है। जबकि नियाग्रा फॉल्स विक्टोरिया फॉल्स से अधिक चौड़ा है। विक्टोरिया फॉल्स में पानी की मात्रा नियाग्रा फॉल्स की तुलना में कम है, लेकिन इसका स्प्रें अधिक ऊंचा उठता है यद्यपि दोनों झरने अपनी सुंदरता और रोमांचक गतिविधियों के लिए प्रसिद्ध हैं। नियाग्रा फॉल्स को यद्यपि कनाडा और यूएसए साइड से देखा जा सकता है किंतु हमने केवल कनाडा साइड से लुप्त उठया था जबकि ट्रैवलर दाऊद ने जिम्बाब्वे और जांबिया दोनों देशों की ओर से विक्टोरिया प्रपात का आनंद उठया और जोखिमपूर्ण एडवेंचर गतिविधियों में भागीदारी की। कुछ स्मृति चिन्ह स्थानीय बाजारों से भी खरीदे। वीडियो देखते हुए ऐसा लगता है जैसे उनके साथ हम भी पर्यटन का सक्षान्त मजा ले रहे हों। जिम्बाब्वे साइड से फॉल्स के 75 प्रतिशत हिस्से को देखा जा सकता है, जिसमें मुख्य फॉल्स, डेविक्स कैटरैक्ट और हॉर्सशू फॉल्स शामिल हैं। यहाँ के रेनफॉरेस्ट में 16 से अधिक व्यू पॉइंट हैं, जो फॉल्स के



आसपास के इलाके में ह्वंग नेशनल पार्क और चोबे नेशनल पार्क जैसे प्रसिद्ध सफारी स्थल हैं। जबकि जांबिया साइड से फॉल्स के 25 प्रतिशत हिस्से को ही देखा जा सकता है, लेकिन यह दृश्य अधिक व्यक्तिगत और रोमांचक होता है। जांबिया साइड में डेविक्स पूल है, जो एक प्राकृतिक पूल है जहाँ आप फॉल्स के किनारे बैठकर तैर भी सकते हैं। यहाँ के आसपास के इलाके में लिविंगस्टोन द्वीप है, जहाँ आप फॉल्स के करीब जा सकते हैं और इसकी सुंदरता का अनुभव कर सकते हैं। जांबिया साइड में कुछ एडवेंचर गतिविधियाँ भी हैं, जैसे कि व्हाइट वाटर राफ्टिंग और बंजी जॉपिंग आदि। विश्व प्रसिद्ध नियाग्रा और विक्टोरिया जल प्रपातों के उल्लेख के साथ यदि दक्षिण अमेरिका में अर्जेंटीना और ब्राजील की सीमा पर इगुआजु नदी पर स्थित इगुआजु

जलप्रपात तथा दक्षिण अमेरिका के वेनेजुएला के एंजेल जलप्रपात का उल्लेख न किया जाए तो ठीक नहीं होगा। इगुआजु प्रपात 60-82 मीटर (197-269 फीट) ऊंचा है। इगुआजु जलप्रपात दुनिया की सबसे बड़ी जलप्रपात प्रणाली है, जो 275 से अधिक अलग-अलग झरनों से मिलकर बनी है और लगभग 2.7 किलोमीटर में फैली हुई है। इसका सबसे प्रसिद्ध भाग 'डेविक्स थ्रोट' (Garganta del Diablo) -आकार का एक विशाल झरना है। पर्यटक अर्जेंटीना और ब्राजील दोनों तरफ से इस जलप्रपात का अनुभव कर सकते हैं, हर तरफ से एक अलग और अनूठा दृष्टिकोण मिलता है। अर्जेंटीना की तरफ से ट्रेकिंग और झरने के बिल्कुल करीब जाने का मौका मिलता है, जबकि ब्राजील की तरफ से इसका व्यापक, मनोरम दृश्य मिलता है। यह दो राष्ट्रीय उद्यानों (अर्जेंटीना में इगुआजु नेशनल पार्क और ब्राजील में इगुआकू नेशनल पार्क) के बीच स्थित है, जो दोनों यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल हैं। यह क्षेत्र अपनी समृद्ध जैव विविधता, दुर्लभ पक्षियों और वन्यजीवों के लिए प्रसिद्ध है, जो इको-टूरिज्म को बढ़ावा देता है। इसे दुनिया के नए प्राकृतिक अजूबों (New 7 Wonders of Nature) में शामिल किया गया है, जिससे इसकी वैश्विक अपील और पर्यटन में वृद्धि हुई है। एंजेल जलप्रपात (Angel Falls) कैनेमा राष्ट्रीय उद्यान, बोलिवर राज्य, वेनेजुएला (दक्षिण अमेरिका) में स्थित है जिसकी ऊंचाई 979 मीटर (3,212 फीट) है और यह यह दुनिया का सबसे ऊंचा निर्विघ्न (uninterrupted) जलप्रपात है। यह इतनी अधिक ऊंचाई से गिरता है कि पानी नीचे पहुँचने से पहले ही अधिकांशतः धुंध और बारिक बूंदों में बदल जाता है। यह जलप्रपात रियो कारोनी नदी की सहायक नदी, चुरन नदी पर स्थित है। एंजेल जलप्रपात तक पहुँचाना अपने आप में एक रोमांचक साहसिक यात्रा है। पर्यटकों को अक्सर कैनो (छोटी नाव) और लंबी पैदल यात्रा (ट्रेकिंग) का सहारा लेना पड़ता है,

जिससे यह प्रकृति प्रेमियों और एडवेंचर चाहने वालों के लिए एक शीर्ष गंतव्य बन जाता है। कैनेमा नेशनल पार्क के भीतर स्थित है, यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल (UNESCO World Heritage Site) है। आस-पास के टेबलटॉप पहाड़ (टेपुई) और घने वर्षावन इसे अविश्वसनीय रूप से सुंदर बनाते हैं।इसकी विशालता और दुर्गमता ने इसे कई फिल्मों और साहित्य के लिए प्रेरणा का स्रोत बनाया है, जिससे इसकी वैश्विक पहचान और बढ़ती गई है। जहां तक हमारे अपने देश की बात करें तो भारत में भी कई प्रसिद्ध वाटर फॉल्स हैं जो अपनी सुंदरता और विशालता के लिए जाने जाते हैं। यहाँ के कुछ प्रमुख वाटर फॉल्स हैं- कुचिकल झरना, जो कर्नाटक के शिमोगा जिले में स्थित है, यह भारत का सबसे ऊंचा झरना है, जिसकी ऊंचाई 455 मीटर है। नोहकालीकाई झरना, जो मेघालय में स्थित, यह झरना 340 मीटर ऊंचा है और अपनी सुंदरता के लिए प्रसिद्ध है। दुधसागर झरना, गोवा-कर्नाटक सीमा पर स्थित है जो 310 मीटर ऊंचा है और अपनी सुंदरता के लिए प्रसिद्ध है। चित्रकूट झरना, छत्तीसगढ़ में स्थित, यह झरना 29 मीटर ऊंचा है और यह भीअपनी सुंदरता के लिए जाना जाता है। धुआंधार झरना, जबलपुर मध्य प्रदेश में स्थित है, यह झरना 10 मीटर ऊंचा है और यह भी अपनी सुंदरता के लिए पर्यटकों को खूब आकर्षित करता है। केरल में स्थित मीनमुडी झरना 300 मीटर ऊंचा है और तमिलनाडु में स्थित थलईयार झरना 297 मीटर ऊंचा है। ये सभी प्राकृतिक सौंदर्य की अद्भुत छटा बिखेरते है और पर्यटकों, ट्रैवलरों का मन मोह लेते है। दुनिया में स्थित सारे ही छोटे बड़े जलप्रपात अपने आप में भिन्न भिन्न विशेषताएं रखते हैं, हरेक व्यक्ति अपनी पसंद, हैसियत, सामर्थ्य के अनुसार निकट या दूरस्थ इन सुंदर दृश्यों का आनंद और अनुभूति प्राप्त करने की जीवन में कोशिश अवश्य करता है।

संक्षिप्त समाचार

खनिज रेत, गिट्टी, मुरुम का अवैध परिवहन कर रहे 05 वाहनों को किया जप्त

बैतूल (निप्र)। कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देशानुसार जिले में अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत खनिज विभाग द्वारा खनि अमले के साथ जिले के विभिन्न क्षेत्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान 11 दिसंबर को घोड़ाडोंगरी क्षेत्रांतर्गत खनिज गिटटी का ओवरलोड परिवहन करते हुए 1 डम्पर क्रमांक एमपी 48 एच 1609, खनिज मुरुम का बिना रॉयल्टी परिवहन करते हुए 2 डम्पर क्रमांक एमपी 40 जीए 0540 एवं आरजे 19 जीएफ9549 एवं 01 टैक्टर आयशर खनिज गिट्टी, डस्ट का अवैध परिवहन करते पाए जाने पर जप्त कर पुलिस थाना घोड़ाडोंगरी की अभिरक्षा में खड़ा किया गया है। इसके अलावा खनि निरीक्षक श्री व्ही.के. वशिष्ठ द्वारा खनि अमले के साथ 11 दिसंबर को कार्यवाही करते हुए भैसदेही क्षेत्रांतर्गत ग्राम रातामाटी से 01 टैक्टर क्रमांक एमपी 48 एए 4739 को खनिज रेत के अवैध परिवहन करते पाये जाने पर जप्त कर पुलिस चौकी भीमपुर की अभिरक्षा में खड़ा करवाया गया है। उक्त वाहनों के वाहन चालकों, वाहन मालिकों के विरुद्ध मध्यप्रदेश अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण नियम 2022 के प्रावधानों के तहत कार्यवाही कर प्रकरणों को न्यायालया अपर कलेक्टर बैतूल में प्रस्तुत किया जा रहा है।

सांसद-विधायक निधि के विकास कार्यों को समय पर पूरा करार्यें : कलेक्टर

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय बैठक में सांसद एवं विधायक निधि से स्वीकृत निर्माण एवं विकास कार्यों की जनपदवार तथा नगरीय निकायवार विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि निधि से स्वीकृत सभी कार्यों को निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा किया जाये। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने स्पष्ट कहा कि सांसद एवं विधायक निधि से स्वीकृत कार्य जनता की सुविधा एवं जनहित से सीधे जुड़े होते हैं, इसलिए इन कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या विलंब स्वीकार्य नहीं किया जाएगा। उन्होंने ऐसे सभी कार्यों को शीघ्र प्रारंभ करने पर भी जोर दिया, जिनकी स्वीकृति मिल चुकी है। उन्होंने कहा कि जो कार्य प्रगतिरत हैं उन्हें समय पर पूर्ण कराने का प्रयास करें। बैठक में उन्होंने अधिकारियों से कार्यवाही प्रगति रिपोर्ट पर चर्चा की तथा समय सीमा में कार्य पूर्ण करने की हिदायत दी। कलेक्टर ने कहा कि जिले में विकास कार्यों में तेजी लाने के लिए समन्वय और निगरानी के साथ कार्य करें। कलेक्टर श्री बालागुरू के ने कहा कि आमजन को जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र के लिये परेशानी न हो इसके लिये सभी पंचायत सचिवों को ताकदी दिया जाये। बैठक में जिला योजना अधिकारी श्री संजय लक्वेरार एवं सभी सीईओ और सीएमओ उपस्थित थे।

जिला विकास सलाहकार समिति बैठक की तैयारियों की कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने की समीक्षा

बैतूल (निप्र)। राज्यमंत्री , लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा तथा जिले के प्रभारी मंत्री श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल की अध्यक्षता में 13 दिसंबर को आयोजित जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक के सम्बन्ध में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में शुक्रवार को कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने विभागवार तैयारियों की समीक्षा की। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने बैठक में शामिल किए जाने वाले प्रमुख एजेंडों, विकास योजनाओं की प्रगति, बजट उपयोग तथा लंबित कार्यों पर संबंधित अधिकारियों से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि समिति की बैठक जिले के विकास कार्यों के लिए महत्वपूर्ण है, इसलिए सभी विभाग अपनी तैयारियों को समय सीमा में पूरा करें और जिन योजनाओं में विलंब हो रहा है, उनकी स्थिति व कारणों को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत करें। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को बैठक की तैयारियों को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के निर्देशन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास विभाग श्रीमती विनीता लोढ़ा के मार्गदर्शन में बाल विवाह मुक्त भारत के 100 दिवसीय सघन जागरूकता अभियान अंतर्गत स्वामी विवेकानंद हाई स्कूल ग्यारसपुर एवं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हैदरागढ़ में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। श्री मुकेश ताम्रकार बाल विवाह रोकथाम प्रभारी महिला बाल विकास विदिशा द्वारा बाल विवाह के दुष्परिणामों बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम की विभिन्न धाराओं और प्रावधानों की जानकारी दी गई। श्री ताम्रकार द्वारा स्कूली बच्चों को विद्यालय प्रांगण में सामूहिक शपथ दिलाई गई। घर-घर शिक्षा का दीप जलाएं ,बाल विवाह को बंद कराएं का नारा बच्चों को दिया गया। बच्चों को चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 की उपयोगिता एवं महत्व की जानकारी दी गई। श्री ए.डी. डंगवाल सहायक सांख्यिकी अधिकारी महिला बाल विकास विदिशा द्वारा बेटी बचाओ ,बेटी पढ़ाओ और बालिका शिक्षा के महत्व की जानकारी दी गई।

पिपरिया बीईओ ने जिला अधिकारियों के आदेश की अवेहलना की

छात्रवृत्ति और एरियर्स की राशि का गबन करने वाले ऑपरेटर पर एफआईआर नहीं



नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम जिले के पिपरिया ब्लॉक में शिक्षक एरियर्स और छात्रवृत्ति राशि में गबन के मामले में डाटा एंट्री ऑपरेटर पर एफआईआर दर्ज नहीं होने को लेकर लोक शिक्षण नर्मदापुरम के संयुक्त संचालक (जेडी) ने 9 दिसंबर को नया पत्र लिखा। जेडी मनीष वर्मा ने पत्र में कहा कि पांच दिनों में वरिष्ठ

त्यौदा तहसील क्षेत्र में कलेक्टर अंशुल गुप्ता का व्यापक निरीक्षण, जनसमस्याओं के त्वरित समाधान के लिए निर्देश



विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने शुक्रवार को त्यौदा तहसील क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों का विस्तृत भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन, चल रहे विकास कार्यों, ग्रामीणजन की विकासागत एवं सामुदायिक समस्याओं की गहन समीक्षा की। कलेक्टर ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रत्येक समस्या का त्वरित और प्रभावी निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

ग्रामों में सीधा संवाद, समस्याओं का तत्काल सज्ञान : भ्रमण के दौरान कलेक्टर श्री गुप्ता ग्रामीणों व स्वसहायता समूहों की महिला दीदीयों के बीच पहुंचे और उनसे सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं, योजनाओं की स्थिति और आवश्यक सुविधाओं के बारे में पूछा। उन्होंने

कहा कि शासन की प्रत्येक योजना का वास्तविक लाभ पात्र हितग्राहियों को मिलना चाहिए। ग्रामीणों ने पेयजल, सड़क, स्वास्थ्य सुविधाओं, शैक्षणिक संसाधनों से जुड़ी समस्याएं भी बताईं जिन पर तत्काल कार्रवाई हेतु संबंधित विभागों को निर्देशित किया गया।

बागरोद कृषि उपज मंडी का निरीक्षण : कलेक्टर श्री गुप्ता ने बागरोद कृषि उपज मंडी का निरीक्षण कर किसानों की बुनियादी सुविधाओं की जानकारी ली। किसानों से उपज तौल, खरीदी व्यवस्था एवं भुगतान से संबंधित समस्याएँ पूछीं। मंडी परिसर की स्वच्छता और व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की। अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो इसके लिए विशेष ध्यान रखें।

जल जीवन मिशन की समीक्षा में कलेक्टर श्री सूर्यवंशी सख्त

31 दिसंबर तक सिंगल विलेज की योजनाओं को पूर्ण कर हैंड ओवर किया जाए

बैतूल (निप्र)। जिले में जल जीवन मिशन के कामों की प्रगति को लेकर गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में जिला जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक आयोजित की गई। इस दौरान कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने विभागीय अधिकारियों से गांव-गांव में चल रहे पाइपलाइन बिछाने, नल कनेक्शन देने और जल संरचनाओं के निर्माण की स्थिति की विस्तार से जानकारी ली। कई स्थानों पर काम निर्धारित समय सीमा से पीछे चल रहा था, जिस पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी, जो ठेकेदार निर्धारित समय में कार्य पूरा नहीं करते है और मौके पर प्रगति नहीं दिखती उनके विरुद्ध एफआईआर दर्ज की जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि फील्ड विजिट बढ़ाएं और सप्ताह दर सप्ताह रिपोर्ट प्रस्तुत करें। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने ठेकेदारों और विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि 31 दिसंबर तक सिंगल विलेज की योजनाओं को पूर्ण कर हैंड ओवर किया जाए। जल जीवन मिशन की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने ठेकेदारों और विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले में जिन ग्रामों में मिशन के तहत

पाइपलाइन बिछाने, नल कनेक्शन देने के कार्य पूरी तरह पूरा हो चुका है, उन कार्यों को बिना किसी देरी के संबंधित ग्राम पंचायतों को हैंडओवर किया जाए। उन्होंने पीएचई विभाग से पूर्ण योजनाओं की सूची तैयार कर तकनीकी परीक्षण कराते हुए शीघ्र हैंडओवर प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने लापरवाह ठेकेदारों के भुगतान पर भी रोक लगाने के निर्देश दिए। समीक्षा के दौरान ठेकेदारों ने कलेक्टर श्री सूर्यवंशी को बताया कि छह माह या एक वर्ष से अधिक की पूर्ण योजनाओं के हैंडओवर में पंचायतों द्वारा लापरवाही बरती जा रही है। जिस पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने इन योजनाओं में वर्तमान में कोई ट्रट फूट होने पर उसकी वसूली पंचायत एवं जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों से किए जाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने जल जीवन मिशन की समीक्षा के दौरान ओम साई हिंदवाड़ा को पाइप लाइन, टंक्री, नल कनेक्शन का शेष कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। परमानेंट ट्रेडर्स को ग्राम कुम्हारटेक में टंकी के पास शेष बचे विद्युत कार्य को तत्काल पूर्ण करने के निर्देश दिए। मेसर्स राम बाबू केसरी को गेहूं बारसा में शेष पाइप लाइन बिछाने का कार्य 25 दिसंबर तक पूर्ण करने के निर्देश दिए।

एक दिवसीय एनीमिया एवं पोषण आहार प्रशिक्षण किया गया आयोजित

नर्मदापुरम (निप्र)। माखनगर ब्लॉक में एनीमिया मुक्त भारत अभियान के तहत एक दिवसीय एनीमिया एवं पोषण आहार प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का आयोजन ब्लॉक के सीएचओ और एनएएम के लिए किया गया, जिसकी देखरेख बीएमओ डॉ. कल्याणी यादव ने की। उक्त प्रशिक्षण शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, सतना से आए प्राध्यापक डॉ. पुषेंद्र साहू और डॉ. अम्बरीष मिश्रा द्वारा प्राइम लैंड होटल, नर्मदापुरम में आयोजित कार्यक्रम में दिया गया।

उन्होंने बताया कि आयरन की कमी से जुड़ा रही गर्भवती महिलाओं को अब आयरन सुक्रोज के पांच डोज के बजाय केवल एक डोज में एफसीएम (फेरिक कार्बोक्सिमाल्टोज) इंजेक्शन दिया जाएगा। एफसीएम में मौजूद फेरिक कार्बोक्सिमाल्टोज शरीर में आयरन का स्रोत बनकर ऑक्सीजन परिवहन का लाल रक्त कोशिकाओं के निर्माण में मदद करता है। यह इंजेक्शन 10मिली की मात्रा में दिया जाता है और गर्भावस्था के दौरान एक बार ही लगाया जाता है। प्रशिक्षण के दौरान सीएचओ, एनएएम और अन्य स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को गर्भवती महिलाओं के पंजीकरण से लेकर प्रसव तक की एनएसी (एंटीनेटल) देखभाल के लिए आवश्यक चार जांचों तथा उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं के

लिए अतिरिक्त चार से अधिक जांचों की आवश्यकता पर जोर दिया गया। साथ ही ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस की किशोरियों, महिलाओं और गर्भवती महिलाओं को प्रोटिन, आयरन, फोलिक एसिड, कैल्शियम, विटामिनडी, आयोडीन और फाइबर से भरपूर संतुलित आहार लेने की सलाह दी गई। हरी सब्जियां, फल, दालें, साबुत अनाज, डेयरी उत्पाद और पर्याप्त पानी के सेवन को प्रोत्साहित किया गया, जबकि मोटे और वसायुक्त भोजन से बचने और व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखने के महत्व को भी उजागर किया गया।

प्रशिक्षण का निरीक्षण सीएमएचओ डॉ. नरसिंह गहेलोट ने किया। उन्होंने

बूढ़ी बागरोद में आंगनवाड़ी, स्कूल और पंचायत भवन का निरीक्षण : कलेक्टर श्री गुप्ता ने बूढ़ी बागरोद पहुंचकर ग्रामीण संस्थाओं की स्थिति जानी और आंगनवाड़ी केंद्र एवं बच्चों के पोषण आहार, उपस्थित बच्चों की संख्या, टीकाकरण एवं गर्भवती महिलाओं को प्रदाय सेवाओं की समीक्षा की। कलेक्टर श्री गुप्ता ने निर्देश दिए है कि आंगनबाड़ी व शासकीय उचित मूल्य दुकान पंचायत भवन परिसर में ही संचालित किए जाएं। शासकीय विद्यालय में अध्ययनरत बच्चों की उपस्थिति, शिक्षकों की उपलब्धता, मध्याह्न भोजन तथा शिक्षण-सामग्री का अवलोकन किया। कलेक्टर श्री गुप्ता ने पंचायत भवन में ग्रामीणों से आवेदनों की स्थिति जानी तथा लंबित कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री गुप्ता ने बागरोद में संचालित शासकीय उचित मूल्य दुकान का भी निरीक्षण किया। यहां उन्होंने निगरानी के लिए गठित सतर्कता समिति के सदस्य से संवाद कर अद्यतन स्थिति का जायजा लिया है।

शांति धाम : कलेक्टर श्री गुप्ता ने ग्राम पंचायत कस्बा बागरोद में 9 बोधा अतिक्रमित भूमि को मुक्त करारकर बनाए गए शांतिधाम का भी अवलोकन किया। यहां उन्होंने विभिन्न प्रकार के पौधे लगाने पर बल दिया है।

नया गांव टप्पा : कलेक्टर श्री गुप्ता ने सहरिया बाहुल्य नया गांव टप्पा में पहुंचकर पीएम जनमन योजना के तहत संपादित किए गए कार्यों का अवलोकन किया। उन्होंने सहरिया जनजाति वर्ग के उथ्थान हेतु किए जा रहे विशेष प्रयासो के संबंध में स्थानीय नागरिकों से संवाद कर अद्यतन स्थिति का जायजा लिया है। ग्राम की खिलानबाई से चर्चा के दौरान कलेक्टर ने जाना कि वृद्धावस्था पेंशन मिल रही हैकि नहीं। हितग्राही ने बताया कि हर माह छह सौ रूपए मिलते है किन्तु लेने के लिए त्यौदा जाना पड़ता है। बैंकिंग व्यवस्था के माध्यम से गांव में ही हितग्राहियों को पेंशन की राशि प्राप्त हो

बालिकाओं को पॉक्सो एक्ट, बाल विवाह रोकथाम एवं बाल संरक्षण कानूनों की दी गई जानकारी

रायसेन (निप्र)। शासकीय कन्या विद्यालय



बेगमगंज में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा मिशन वात्सल्य योजना अंतर्गत एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा एवं बाल संरक्षण संबंधी महत्वपूर्ण कानूनों की जानकारी देना रहा। इस अवसर पर कृषक सहयोग संस्थान द्वारा बालिकाओं को बाल विवाह मुक्त भारत अभियान अंतर्गत सबसे दिलाई गई और हस्ताक्षर कर बाल विवाह रोकने के लिए संकल्प दिलाया गया।

कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने जिला अस्पताल का किया आकस्मिक निरीक्षण

रायसेन (निप्र)। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने जिला अस्पताल का किया आकस्मिक निरीक्षण रायसेन, 12 दिसम्बर 2025 कलेक्टर श्री अरुण कुमार विश्वकर्मा द्वारा शुक्रवार को जिला अस्पताल का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। उन्होंने जिला अस्पताल के विभिन्न वार्डों में जाकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने सीएमएचओ तथा सिविल सर्जन को जिला अस्पताल में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने की सख्त हिदायत देते हुए कहा कि उपचार हेतु आने वाले मरीजों को किसी परेशानी ना हो।

इसके लिए गांव के ही सहरिया जनजाति के पढ़े लिखे युवा-युवती को कियोस्क जैसी सुविधा संचालित कराई जाए। उन्होंने ग्राम पंचायत पिपरिया दौलत के नया गांव टपरा में प्रधानमंत्री जनमन आंगनबाड़ी मॉडल केन्द्र का भी निरीक्षण किया और परिसर में संचालित स्कूल में पहुंचकर बच्चों से संवाद किया है।

त्यौदा तहसील कार्यालय एवं स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण: कलेक्टर श्री गुप्ता ने त्यौदा तहसील कार्यालय का निरीक्षण करते हुए राजस्व प्रकरणों की प्रगति पर जानकारी ली। राजस्व अधिकारियों को समयसीमा में प्रकरणों के निराकरण के निर्देश दिए। तहसील कार्यालय में रखे अभिलेख, कर्मचारियों की उपस्थिति एवं सेवा वितरण की व्यवस्था की समीक्षा की। इससे पहले कलेक्टर श्री गुप्ता ने त्यौदा के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के माध्यम से प्रदाय स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने विभिन्न वार्डों का भ्रमण किया। संतोषजनक प्रगति परलक्षित नहीं होने पर संबंधितों को शोकॉज नोटिस जारी करने के निर्देश मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ रामहित को मौके पर दिए है। उन्होंने अस्पताल में आवश्यक दवाओं की उपलब्धता, उपचार सुविधाएँ, साफ-सफाई और मरीजों को दी जा रही सेवाओं का अवलोकन भी किया है। चिकित्सक और स्टाफ को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री गुप्ता ने रसूलपुर में संचालित बालिका छात्रावास में किए गए प्रबंधों की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए छात्रावास अधीक्षक सुनीता मोर्य के द्वारा छात्रावासी प्रबंधो को बेहतर बताते हुए और किन-किन चीजो की आवश्यकता है के संबंध में चर्चा की। कलेक्टर श्री गुप्ता ने रसूलपुर के पशु चिकित्सा केंद्र का निरीक्षण कर पशुओं के उपचार, टीकाकरण एवं औषधियों की उपलब्धता की स्थिति का जायजा लिया है।

कलेक्टर ने शासकीय जनजातीय बालक आश्रम शाला सिद्धपुर का किया औचक निरीक्षण

निम्न शैक्षणिक गुणवत्ता पर असंतोष व्यक्त करते हुए शिक्षकों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के दिये निर्देश

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सुश्री सोनिया मोना ने सेमरी हरचंद के समीप स्थित शासकीय जनजातीय बालक आश्रम शाला छात्रावास सिद्धपुर का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने छात्रावास आवासीय विद्यालय की शैक्षणिक एवं आवासीय व्यवस्थाओं का बारीकी से परीक्षण किया। कलेक्टर ने छोटे-छोटे विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद करते हुए हिंदी, अंग्रेजी एवं गणित के प्रश्न पुछकर उनकी शैक्षणिक गुणवत्ता का परीक्षण किया। उन्होंने कहा कि बच्चों की पढ़ाई पर शिक्षकों को अभी अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। इस दौरान कलेक्टर ने कहा कि बच्चों में सीखने की उच्च क्षमता है। लेकिन उनपर ध्यान दिया जाना बहुत ही आवश्यक है। उन्होंने गहन अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि बच्चों की पाठ्यक्रम के अभ्यास और

पाठ भी अपूर्ण है। उन्होंने कहा कि आवासीय विद्यालय शासन की बहुत ही महत्वकांक्षी पहल है इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही को स्वीकार्य नहीं किया जा सकता है। कलेक्टर ने एसी टाइबल को संबंधित शिक्षकों को तत्काल प्रभाव से कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बच्चों की पढ़ाई, अभ्यास एवं सीखने की प्रक्रिया को प्राथमिकता से सुधारना आवश्यक है। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने छात्रावास के कक्ष, रसोई घर एवं भोजन कक्ष का भी निरीक्षण किया। उन्होंने रसोई घर पहुंच कर बच्चों को दिए जा रहे भोजन की गुणवत्ता का भी परीक्षण किया।

साथ ही भोजशाला में ही स्थित भोजन कक्ष का अवलोकन कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि छात्रावास में साफ सफाई का विशेष ख्याल रखा जाए साथ ही शौचालय सहित अन्य जगहों की सफाई व्यवस्था की अनिवार्य रूप से नियमित मॉनिटरिंग की जाए। निरीक्षण के दौरान सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्री विवेक नागवंशी, तहसीलदार श्री अनिल झरबडे सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद नर्मदापुरम संभाग की संभाग स्तरीय समीक्षा बैठक का हुआ आयोजन

नर्मदापुरम (निप्र)। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद नर्मदापुरम संभाग की संभाग स्तरीय समीक्षा बैठक का आयोजन संभागीय आयुक्त कार्यालय सभा कक्ष में किया गया। जिसमें मार्गदर्शन के लिए बोपाल से जन अभियान परिषद राज्य कार्यालय के प्रतिनिधि के रूप में निदेशक सेल श्री वीरेंद्र व्यास संभाग प्रभारी नर्मदापुरम श्री प्रवीण शर्मा उपस्थित रहे। बैठक में सर्वप्रथम मां नर्मदा के चित्र पर माल्यार्पण कर विभवत शुभारंभ किया गया। उसके पश्चात नर्मदापुरम संभाग के संभाग समन्वयक श्री कौशलेश प्रताप तिवारी के द्वारा पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से संभाग का प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के द्वारा प्रस्फुटन योजना, नवांकर योजना, मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम एवं अन्य कार्यालयीन प्रगति की विकासखंडवार समीक्षा की गई। इस अवसर पर नर्मदापुरम जिले के जिला समन्वयक पवन सहवाल, हरदा जिले के जिला समन्वयक संदीप गोहर, बैतूल जिले से जिला समन्वयक प्रिया चौधरी एवं समस्त संभाग के विकासखंडो के ब्लॉक विकासखंड उपस्थित रहे।बैठक का आभार जिला समन्वयक नर्मदापुरम पवन सहवाल के द्वारा किया गया।

राइट क्लिक



अजय बोकिल

लेखक सुबह सवरे के
कार्यकारी प्रधान संपादक हैं।
संपर्क-
9893699939
ajaybokil@gmail.com

देश की सबसे बड़ी विमान कंपनी इंडिगो के संकट ने कई सबक दिए हैं। पहला तो विमान क्षेत्र को केवल निजी क्षेत्र के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता, दूसरा किसी भी विमान का कंपनी का एकाधिकार होने का अर्थ है यात्री हितों को तिलांजलि, तीसरा है कोई भी निजी विमान कंपनी सरकारी डीजीसीए (डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन) के आदेशों को इतना हल्के में कैसे ले सकती है कि उसे किसी दंडात्मक कार्रवाई का डर न हो, चौथे देश में करीब पंद्रह दिनों तक विमान सेवाओं में मचे हाहाकार के बावजूद इंडिगो कंपनी के माथे पर शिकन तक नहीं तो क्यों, पांचवा कंपनी ने यात्रियों को टिकट राशि पूरी तरह रिफंड करने की जगह ट्रेवल वाउचर देने की पेशकश की, लेकिन क्या इससे यात्रियों को मानसिक यातना भुगतनी पड़ी उसका क्या, छठे देश में विमान यात्री हित सुरक्षा का कानून कब बनेगा? और सातवां यह कि क्या सरकार अब जागेगी, क्योंकि डीजीसीए ने तुरंत प्रभावी कार्रवाई करने के बजाए शुरू में अपना ही आदेश वापस लेकर कंपनी के आगे सिर नवाया।

कार्रवाई हुई मगर देरी से

दरअसल भारत में इंडिगो विमान सेवा के ध्वस्त होने का गलत संदेश पूरी दुनिया में चला गया है, जिसे सुधरने में वक्त लगेगा। इस मामले में डीजीसीए ने भी कड़ी कार्रवाई की मगर देर से। आज इंडिगो घरेलू उड़ानों की सबसे बड़ी विमान कंपनी है। इंडिगो के पास 1800 से ज्यादा उड़ानें और एविएशन मार्केट का करीब 65 फीसदी हिस्सा है (हालांकि अब इसमें 10 फीसदी की कटौती कर दी गई है)। लेकिन

पायलट 5 हजार से कुछ अधिक ही हैं। इतनी बड़ी कंपनी किस तरह कम खर्च और तगड़ी मुनाफा वसूली के साथ कैसे ग्राहकों को ठग रही थी, इसकी कहानी अब सामने आ रही है। कंपनी का डीजीसीए में भी कितना रसूख था, यह भी साफ हो रहा है। यही नहीं कंपनी के कुप्रबंधन के देखते हुए नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने एयरलाइन के विंटर शेड्यूल में कम से कम 10 प्रतिशत कट लगाने का निर्णय बरकरार रखा, जिसका मतलब यह था कि प्रतिदिन 200 से अधिक उड़ानें अस्थायी तौर पर नेटवर्क से बाहर की जा सकती हैं। इसी बीच, डीजीसीए ने एक आठ सदस्यीय ओवरसाइट टीम भी बना दी। इस टीम के दो अधिकारी अब रोजाना इंडिगो के गुरुग्राम स्थित एयरलाइन हाउस में तैनात रहेंगे। इनमें एक अधिकारी फ्लीट, पायलट के नंबर, एवरेज स्टेज लेंथ, नेटवर्क, क़रू की तैनाती, प्रशिक्षण, डेडवैडिंग, स्प्लिट इयूटी जैसे मैट्रिक्स की निगरानी करेगा, जबकि दूसरा फ्लाइट कैसलेशन, रिफंड, ऑन टाइम परफॉर्मेंस, बैगेज रिटर्न की स्थिति पर रिपोर्ट तैयार करेगा. दोनों टीमें रोजाना शाम छह बजे तक डीजीसीए के जॉइंट डीजी को अपनी रिपोर्ट सौंपेंगे। इस बीच डिजीसीए ने अपने चार फ्लाइट ऑपरेशन इंस्पेक्टरों को भी निलंबित कर दिया है।

इंडिगो का जवाब

उधर डीजीसीए के कारण बताओ नोटिस के जवाब में इस अव्यवस्था के लिए इंडिगो ने टेक्निकल ग्लिच, विंटर शेड्यूल री अलानमेंट, खराब मौसम, एयर ट्रैफिक कंजेशन और एफडीटीएल फेज 2 के अनुसार कू की उपलब्धता को मेल्टडाउन का कारण बताया है।

राजधानी

रिपोर्ट में इंडिगो ने दावा किया है कि नियमों के मुताबिक पैसेंजर्स को मील कूपन, होटल, लोकल ट्रांसपोर्ट और रिफंड की सहुूलियतें दी गई हैं। इंडिगो द्वारा खुद पैदा किए गए इस संकट से कंपनी को 1 हजार करोड़ रू. से ज्यादा का नुकसान हो चुका है। 10 दिनों 5 हजार से ज्यादा फ्लाइटें निरस्त हो चुकी हैं। जिससे हजारों यात्री परेशान हुए। कैंसल फ्लाइटों के टिकट की राशि भी ठीक से रिफंड नहीं की जा रही है। गौरतलब है कि इंडिगो का यह संकट 2 दिसंबर से शुरू हुआ, जब पर्याप्त स्टाफ के अभाव में धड़धड़ फ्लाइट कैंसल होना शुरू हुई। यह संकट गहराता ही चला गया और यात्री भयावह रूप से परेशान होते रहे। हालांकि कंपनी कहना है कि वह उन कस्टमर्स को फ्लाइट के ब्लॉक टाइम के आधार पर 5000 से 10000 रू. तक का मुआवजा देगी, जिनकी फ्लाइट डिपार्चर टाइम के 24 घंटे के अंदर कैंसल हो गई थी। लेकिन यह मुआवजा भी नाकाफी और आधा अधूरा है।

नया एफडीटीएल आदेश

इस अराजकता के पीछे असल कारण केन्द्र सरकार का वह आदेश था, जिसे एफडीटीएल (फ्लाइट इयूटी टाइम लिमिटेशन) कहते हैं। इसके तहत विमान कंपनियों से कहा गया कि वो अपने पायलटों को सप्ताह में 48 घंटे का आराम दें। साथ ही रात में लैंडिंग की सीमा भी छह से घटाकर दो कर दी गई। यह आदेश भी दिल्ली हाईकोर्ट के उस आदेश परिप्रेक्ष्य में था, जिसमें तेरह साल पहले मई 2010 में दुबई से मैंगलोर जा रहा एयर इंडिया एक्सप्रेस का एक विमान मैंगलोर हवाई अड्डे पर उतरते वक्त क्रैश हो गया था। इस हादसे में 158 लोगों की मौत हुई थी।

हादसे की जांच में उजागर हुआ कि पायलट को झपकी आ जाने से यह भीषण हादसा हुआ। जांच रिपोर्ट के मुताबिक प्लेन को उड़ा रहे एक सर्बियाई पायलट उड़ान की तीन घंटे की अवधि के दौरान ज्यादातर वक्त सोए रहने की वजह से भ्रमित (डिसओरिएटेड) हो गए थे। इसके बाद पहली बार भारत में पायलट की थकान और उसकी वजह से यात्रियों की सुरक्षा को होने वाले खतरों का मुद्दा एक चर्चा का विषय बना। दो साल बाद कई पायलट संगठनों ने दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दायर कर कहा कि भारत में उड़ानों का शेड्यूल इस तरह बनाया जाता है कि पायलटों को बहुत ज़्यादा काम करना पड़ता है, जिससे उड़ानों की सुरक्षा खतरे में पड़ती है। इन संगठनों की मांग थी कि इन संगठनों ने मांग की कि पायलटों की थकान से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय मानकों के मुताबिक़ नियम लागू किए जाएं। इसी तारतम्य में जनवरी 2024 में डीजीसीए ने नए इयूटी नियम लागू किए ताकि उन्हें वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाया जा सके। एयरलाइनों को इन्हें दो चरणों में अपनाना था- जुलाई और नवंबर, 2025 में।

इंडिगो की लापरवाही

लेकिन इंडिगो ने इस आदेश को गंभीरता से नहीं लिया और नई व्यवस्था के लिए जरूरी अतिरिक्त स्टाफ को भरती नहीं की। इसके बाद भी डीजीसीए ने कोई सख्त कार्रवाई कंपनी के खिलाफ नहीं की। दूसरी तरफ कम स्टाफ के कारण फ्लाइटों का पूरा शिड्यूल बिगड़ता गया और फ्लाइटें कैसिल करनी पड़ीं। जबकि अन्य विमान कंपनियों ने आवश्यक स्टाफ को भर्ती समय रहते कर ली, जिससे उन्हें अपनी फ्लाइटें

डेयरी क्रांति की ओर मध्यप्रदेश का बड़ा कदम है डॉ. भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना : सीएम



भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पशुपालकों एवं दुग्ध उत्पादकों को हर संभव तरीके से आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रदेश में दुग्ध उत्पादन बढ़ाया जाएगा। आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने, पशुपालकों को आत्मनिर्भर बनाने सहित वर्तमान डेयरी उद्योग को सुनियोजित, सुव्यवस्थित, व्यावसायिक और लाभकारी बनाने की दिशा में ‘डॉ. भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना’ आरंभ की है। यह योजना खासतौर पर उन जरूरतमंद युवाओं, किसानों और पशुपालकों के लिए आशा की किरण बनकर उभरी है, जो आधुनिक डेयरी इकाई स्थापित कर अपनी आय का स्थायी साधन विकसित करना चाहते हैं। योजना का मुख्य उद्देश्य राज्य में दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देना, ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नये-नये अवसर सृजित करना और पशुपालकों की आय में वृद्धि करना है।

डॉ. भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना में लाभार्थियों को 25 दूधारू पशुओं की एक इकाई स्थापित करने का अवसर दिया जाता है। इच्छुक और सक्षम हितग्राही अधिकतम 8 इकाइयां अर्थात् 200 पशुओं तक की डेयरी परियोजना भी स्थापित कर

सकते हैं। यह योजना छोटे से लेकर मध्यम स्तर के डेयरी उद्यमियों को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। योजना की एक प्रमुख शर्त यह है कि प्रति इकाई के लिए इच्छुक हितग्राही के पास कम से कम 3.50 एकड़ कृषि भूमि उपलब्ध हो। भूमि की यह व्यवस्था पशुओं के आवास, चारे की व्यवस्था और डेयरी के समुचित तरीके से संचालन के लिए जरूरी है। इसके साथ ही सरकार पशुपालकों/दूध उत्पादकों की प्रोफेशनल ट्रेनिंग को भी महत्व दे रही है, जिससे पशुपालक वैज्ञानिक और आधुनिक पद्धति से अपना डेयरी बिजनेस चला सकें। पशुपालकों को आर्थिक सहायता देना इस योजना का सबसे आकर्षक पहलू है।

सोशल मीडिया फ्रेंड ने छात्रा से रेप किया नाबालिग छात्रा को घुमाने के बहाने साथ ले गया था आरोपी

भोपाल (नप्र)। भोपाल के पिपलानी इलाके में नाबालिग छात्रा से रेप का मामला सामने आया है। वारदात को इंस्टाग्राम फ्रेंड ने अंजाम दिया है। आरोपी ने मुलाकात और फिर घुमाने के बहाने पीड़िता को बुलाया था। मामले में पुलिस ने रेप और पोर्नोको एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया है। आरोपी को गिरफ्तारी कर ली गई है।

थाना प्रभारी चंद्रिका यादव के मुताबिक 15 वर्षीय किशोरी एक निजी स्कूल की छात्रा है। छात्रा की दोस्ती इंस्टाग्राम पर विकी प्रसाद नाम के युवक से हुई थी। पहले

दोनों के बीच इंस्टाग्राम पर बातचीत होती रही, और फिर मोबाइल पर बात होने लगी। शनिवार को आरोपी युवक ने उसे घुमाने के बहाने मिलने के लिए बुलाया और उसे अपने कमरे पर ले गया। जहां उसने पीड़िता के साथ रेप किया और बाद में उसे छोड़कर भाग गया। तबीयत बिगड़ने पर अपने घर पहुंची पीड़िता ने पूरी बात अपने परिजनों को बताई। साथ ही थाने पहुंचकर उसके खिलाफ केस दर्ज कराया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने भी घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

शायीशुदा युवक ने नाबालिग से रेप किया

इधर, खजुरी सड़क पुलिस ने बताया कि 15 वर्षीय किशोरी क्षेत्र की एक कॉलोनी में रहती है। करीब छह महीने से उसकी बड़ी मम्मी का रिश्तेदार विवेक गिरी का छात्रा के घर पर आना जाना था। आरोपी समय-समय पर पीड़िता के साथ अश्लील हरकतें करता था। करीब एक सप्ताह पहले उसने छात्रा को घर में अकेला पाकर उसके साथ रेप किया। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

टीटी नगर स्टेडियम में एमपी की तीन खिलाड़ियों का सम्मान

ब्लाईड वुमन्स टी20 वर्ल्ड कप की विजेताओं से मिले खेल मंत्री ; कह- प्रदेश का नाम रोशन किया

भोपाल (नप्र)। ब्लाईड वीमेंस टी20 वर्ल्डकप 2025 जीतकर लौटी भारतीय टीम की मध्यप्रदेश की खिलाड़ियों से खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग ने शनिवार को टीटी नगर स्टेडियम में भेंट की। इस दौरान उन्होंने प्रदेश की तीनों खिलाड़ियों की उपलब्धि को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि यह पूरे मध्यप्रदेश के लिए गर्व का विषय है। मंत्री सारंग ने नर्मदापुरम-पिपरिया की सुनीता साराटे, बैतुल की दुर्गा येवले और दमोह की सुष्मा पटेल से मुलाकात कर उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा कि आज हर नेशनल टीम में मध्यप्रदेश के खिलाड़ी प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, जो प्रदेश की मजबूत खेल नीति और खिलाड़ियों की मेहनत का परिणाम है।

बेटियों ने बढ़ाया प्रदेश का मान- मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि हाल ही में दृष्टिबाधित महिला टी20 क्रिकेट वर्ल्ड कप में भारतीय टीम ने नेपाल को हराकर खिताब अपने नाम किया। इस विजेता टीम में मध्यप्रदेश की तीन बेटियों की मौजूदगी पूरे प्रदेश के लिए गर्व की बात है। इन बेटियों ने न सिर्फ देश का, बल्कि मध्यप्रदेश का नाम भी अंतरराष्ट्रीय मंच पर रोशन किया है।

मंत्री सारंग ने बताया कि शुक्रवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने तीनों खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए प्रत्येक को 25-25 लाख रुपए की सम्मान राशि देने की घोषणा की है। इसमें 10 लाख रुपए नगद और 15 लाख रुपए की राशि फिक्स्ड डिवाइजिट के रूप में दी जाएगी।

कहीं-सुनी

रवि मोई

(लेखक पत्रिका समवेत
सृजन के प्रबंध संपादक और
स्वतंत्र पत्रकार हैं।)



छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय 13 दिसंबर को अपने कार्यकाल के दो साल पूरे कर लिए। इन दो सालों में विष्णुदेव साय ने सत्ता और संगठन में अपनी पकड़ बनाने के साथ प्रशासन की भी नया अमलीजामा पहनाया। प्रदेश अध्यक्ष, विधायक-सांसद और केंद्र में मंत्री रहने के अनुभव के आधार पर अधिकांश नए विधायकों को मंत्रिमंडल में जगह देकर दो साल में विष्णुदेव साय ने सहज और सरल तरीके से सरकार चलाई है। विष्णुदेव ने विपक्ष की आलोचना की परवाह न कर 13 मंत्री बनाने का साहस किया। डॉ रमन सिंह 12 मंत्रियों के साथ 15 साल चले और भूपेश बघेल पांच साल। हरियाणा की तर्ज पर 13 मंत्रियों के फार्मूला को छत्तीसगढ़ में लागू करने के लिए विष्णुदेव साय को हमेशा याद किया जाएगा। विष्णुदेव साय ने दो साल के भीतर ही अपने मंत्रिमंडल का विस्तार और मंत्रियों के विभागों में हेरफेर कर राजनीतिक कुशलता का परिचय भी दे दिया। साय के राज में गांव से लेकर शहर की सत्ता पर भाजपा के कब्जा से पार्टी कार्यकर्ताओं में नया जोश और उत्साह का संचार भी देखा गया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पार्टी संगठन में भी प्रदेश स्तर पर कुछ महत्वपूर्ण पदों पर अपनी पसंद को तबज्जो देकर नया संकेत दे दिया। छत्तीसगढ़ के लिए नक्सलवाद बड़ी समस्या थी और यह राज्य के माथे पर बदनूमा दाग जैसा भी था। विष्णुदेव के राज में केंद्र सरकार के सहयोग से जिस तरह

ऑपरेशन चला, उससे नक्सलियों ने पूरी तरह घुटने टेक दिए। नक्सलियों के बड़े-बड़े नेता और थिंक टैंक मारे गए या आत्मसमर्पण कर दिया। राज्य में नक्सलवाद के सफाये की बात जब भी लोगों की जेहन में आणी, तब विष्णुदेव साय के राज को याद किया जाएगा। विष्णुदेव साय ने शुरूआती दौर में ही नई औद्योगिक नीति लांच कर राज्य के विकास के प्रति अपनी ललक को प्रदर्शित किया। मुख्यमंत्री साय उद्योगिक नीति को न्योता देने के महानगरों में गए। विदेशी निवेशकों को आकर्षित करने के लिए विदेश का दौरा भी किया। आदिवासी वर्ग के नेता के तौर पर मुख्यमंत्री की कुर्सी संभालने वाले विष्णुदेव साय का फोकस ट्राइबल इलाकों में भी देखा गया। खासतौर सरगुजा और बस्तर इलाके के विकास में। साय ने चुनावी वादे महतारी बंदन, किसानों को बोनस और 3100 रुपए में धान खरीदी जैसे कई घोषणाओं पर अमल कर वादे पूरी करने वाली सरकार के रूप में साख बनाई। साय ने दो साल, या कहीं पहली पारी में अच्छा प्रदर्शन कर तालियां बटोरी हैं। अगले तीन साल के प्रदर्शन का लोगों को इंजहार है।

नई गाइड लाइन में एक बिल्डर के ‘पौ बारह’

चर्चा है कि राज्य में जमीन रजिस्ट्री की नई गाइडलाइन बनाने में एक बड़े बिल्डर की बड़ी भूमिका रही और सरकार की किरकिरी हो गई। आमतौर पर पंजीयन मंत्री जनता के कोप के दायरे में नहीं आते, पर गाइडलाइन वृद्धि के मामले में पंजीयन मंत्री के खिलाफ लोग सड़क पर उतर आए। बताते हैं नई गाइडलाइन में बड़े बिल्डर के प्रोजेक्ट के पास जमीन की दर 2200

रुपए प्रति वर्ग फीट तय की गई, जबकि उससे कुछ दूरी पर बन रहे एक प्रोजेक्ट के पास जमीन की गाइड लाइन दर 5500 रुपए प्रति वर्ग फुट रखी गई। बताते हैं बिल्डर के प्रोजेक्ट में कई आईएएस और नेताओं के बंगले हैं। बिल्डर को एक मंत्री का काफी करीबी बताया जा रहा है। बड़े बिल्डर के इशारे पर जमीन की गाइड लाइन दरें तय होने की खबर से दूसरे बिल्डर और जमीन के कारोबारी एकजुट हो गए और सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल लिया। खबर है कि राज्य में कुछ विधायक और भाजपा के अन्य नेता जमीन का धंधा करते हैं। इस कारण से जमीन की नई गाइडलाइन दरें सबको चुभ गयी। लोगों के विरोध के बाद मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को हस्तक्षेप करना पड़ा और पुनर्विचार का आश्वासन देना पड़ा। मुख्यमंत्री के हस्तक्षेप के बाद एक्शन भी शुरू हो गया और कुछ सुधार हुआ। व्यापक सुधार के लिए सुझाव भी मांगे गए। इसके बाद लोगों का गुस्सा कुछ शांत हुआ।

विभागाध्यक्ष से दुखी मंत्री

कहते हैं एक मंत्री जी अपने विभागाध्यक्ष से दुखी है। बच्चों को पढ़ने-पढ़ाने का विषय से जुड़े मंत्री जी अपने मातहत विभागाध्यक्ष की पोरिंग से पहले ही शर्शकित थे। अब कार्यशैली से खुश नहीं हैं और मानकर चल रहे हैं कि ज्यादा दिन तक दोनों में निभ पाना संभव नहीं है। विभागाध्यक्ष महिला अफसर हैं, ऐसे में मंत्री जी और भी हैरान-परेशान बताए जाते हैं। महिला अफसर के बारे में चर्चा है कि वे अपने स्टाइल में काम करती हैं और ज्यादा किसी की सुनती नहीं हैं। महिला अफसर का सोशल मीडिया प्रेम भी सुर्खियों में रहता है। मंत्री जी पहली बार

विधायक और मंत्री बने हैं। वे चर्चित हैं विभागाध्यक्ष उनके मन मुताबिक काम नहीं करेगी तो वे लोगों को कैसे खुश कर पाएंगे और अपनी छवि निखार पाएंगे। अब देखते हैं मंत्री जी झुकते हैं या महिला अफसर अपने कार्यशैली में बदलाव लाती हैं।

सुर्खियों में छत्तीसगढ़ के पुलिस अफसर

एक कारोबारी से रिश्ते को लेकर आजकल छत्तीसगढ़ में डीएसपी स्तर की पुलिस अफसर काफी सुर्खियों में है। दोनों पक्षों की तरफ से मामला थाने में भी पहुंच गया है। आरोप -प्रत्यारोप का सिलसिला चल रहा है और सोशल मीडिया में भी मामला गरमाया है। कुछ महीने पहले एक सन इम्पेक्टर की पत्नी से संबंध को लेकर छत्तीसगढ़ में एक आईजी स्तर के अफसर चर्चा में आए थे। इस मामले में पुलिस महानिदेशक ने एक जांच टीम बना दी है। जाँच रिपोर्ट आने के बाद वस्तुस्थिति सामने आणी, लेकिन छत्तीसगढ़ के पुलिस अफसर विवादों में क्यों फंस रहे हैं, यह बड़ा सवाल है। पुलिस का काम जनता को सुरक्षा देना और गलत -सही का पता लगाना है। अब पुलिस अफसर ही निजी विवादों में उलझ जाएंगे, तो जनता के लिए क्या काम करेंगे। क्या पुलिस महकमें में नैतिकता का पाठ कमजोर पड़ गया है। इसे आला अफसरों को देखना होगा। अफसरों के निजी उलझनों का असर छत्तीसगढ़ पुलिस की साख पर भी तो पड़ रहा है।

पांच कलेक्टरों का ट्रांसफर आयोग में अटका

कहा जा रहा है कि राज्य के पांच कलेक्टरों के ट्रांसफर का प्रस्ताव चुनाव आयोग में अटक गया।अब तो

कैंसल नहीं करनी पड़ीं।

नई व्यवस्था बने

अब अहम सवाल यह है कि भविष्य में इंडिगो जैसा कोई संकट पैदा न हो, इसके लिए क्या किया जाना चाहिए? एक सुझाव यह है कि भारत को नागरिक उड्डयन के क्षेत्र में हार्डब्रिड मॉडल अपनाना चाहिए। पहले एयर इंडिया सरकारी क्षेत्र की कंपनी थी, जिसे मोदी सरकार ने भारी घाटे और विनिवेश नीति के तहत वापस टाटा को बेच दिया। उसके बाद सरकार के हाथ पूरी तरह खाली हो गए। वरना इंडिगो संकट के दौरान कोई सार्वजनिक क्षेत्र की विमान कंपनी होती तो यात्रियों को कुछ तो राहत पहुंचाई जा सकती थी। साथ ही इंडिगो संकट में अवसर खोज कर यात्रियों को लूटने वाली दूसरी विमान कंपनियों पर भी अंकुश रखा जा सकता था। हैरानी की बात यह है कि मोदी सरकार ने पूर्व में अपनी नीति में इस बात का वकालत की थी कि हर क्षेत्र में एक सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी रहेगी। लेकिन एविएशन सेक्टर को पूरी तरह निजी कंपनियों के भरोसे छोड़ दिया गया। दूसरे, विमान कंपनियों के कामकाज और प्रबंधन की सख्त निगरानी होनी चाहिए। तीसरे, देश में विमान यात्री हित रक्षा के कड़े कानून जरूरी हैं। क्योंकि यदि कंपनी किसी कारण से फ्लाइट कैसिल करती है तो उसका पर्याप्त मुआवजा कंपनी को देना आवश्यक है। हकीकत में इंडिगो संकट ने भारत में विमानन की लचर व्यवस्था को दुनिया के सामने बेनकाब कर दिया है। इसे सुधारने में वक्त लगेगा। यह भी विडंबना ही है कि कहां हम दुनिया तीसरी बड़ी अर्थ व्यवस्था बनने का दावा कर रहे हैं और कहां एक निजी विमान कंपनी सरकार को झुकने पर मजबूर कर देती है।

जीजा ने साले की हत्या की पत्नी को भड़काने का शक था, मर्डर करने 40 किमी का सफर तय कर पहुंचा आरोपी

भोपाल (नप्र)। भोपाल के गुनगा इलाके में रहने वाले युवक को उसके जीजा ने चाकू से चार बार कर मौत के घाट उतार दिया। घटना शनिवार रात 8 बजे की है। रविवार तड़के 4 बजे घायल युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई।आरोपी दो महीने से मायके में बैठी पत्नी को लेने पहुंचा था। पत्नी साथ जाने के लिए राजी नहीं थी, तब आरोपी और उसके ससुराल वालों के बीच बहस हो गई। उसको शक था कि पत्नी का भाई उसका घर बिगाड़ रहा है। उसी की शय में पत्नी साथ चलने के लिए राजी नहीं है। इस घटनाक्रम के करीब सात घंटे बाद आरोपी ने साले के गले, पेट, जांघ और पांव में चार बार कर मौत के घाट उतार दिया। पुलिस ने हत्या कर केस दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

थाना प्रभारी कृष्णा ठाकुर के मुताबिक ग्राम खादमपुर में रहने वाला 22 वर्षीय अब्दुल उर्फ अब्दुल्ला खां दूक ब्राइवरी करता था। उसकी बहन का अपने पति भूरा खान से विवाह चल रहा है। आरोपी भूरा खान रातीबड़ के ग्राम डोबरा में रहता है। बीती रात जीजा-साले के बीच फोन पर कहसुनी हो गई थी। इससे गुस्सा होकर रात में भूरा खान अपने ससुराल पहुंचा और तलाश ने के पास में अपनी 407 में काम कर रहे अब्दुल पर अचानक हमला कर दिया।

साथियों ने बचाने का प्रयास तक नहीं किया

घटना के समय साले के साथ अन्य लोग भी मौजूद थे, लेकिन किसी ने उसे बचाया नहीं। घटना की खबर लगते ही परिजन घायल साले को लेकर हमीदिया अस्पताल पहुंचे, जहां कुछ देर चले इलाज के बाद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक का शव बरामद कर उसे पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। रविवार की दोपहर को पीएम के बाद पुलिस ने बांड़ी परिजनों को सौंप दी है। अब पुलिस आरोपी जीजा की तलाश में छापेमार कार्रवाई कर रही है। पुलिस का कहना है जल्द ही आरोपी जीजा को पकड़ लिया जाएगा।

बहस के बाद हमला करने आया

आरोपी शनिवार की दोपहर को ससुराल पहुंचा था। यहाँ पत्नी पर साथ चलने के लिए दबाव बना रहा था। परिजनों ने उसे पत्नी को साथ नहीं ले जाने दिया। तब आरोपी ने अपशब्द कहना शुरू कर दिए। इससे नाराज अब्दुल ने भी जीजा से बदसलूकी की। इसी का बदला लेने के लिए आरोपी अपने गांव ग्राम डोबरा पहुंचा।

